वर्षः 2 अंकः 58,
पेजः 4, मुल्य 1 रु.

सुरत

शुक्रवार

1 मई 2020

दैनिक क्रांति समय

आपने आसपास की घटनाक्रम,समाचार,प्रेसनोट देने के लिये हमारे ईमेल krantisamay@gmail.com या WhastApp 9879141480 पर भेज सकते हैं

ब्यूरो, रिपोर्टर अपने क्षेत्र की खबरें के लिये संपर्क करें.

सुविचार :– सुख भी बहुत है और परेशानीया भी बहुत है, जिन्दगी में लाभ है तो हनिया भी बहुत है, क्या हुआ जो प्रभु ने थोड़े गम दे दिय, उसकी हम पर महेरबानीया भी बहुत हैं

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भड़काऊ ट्विटर हैशटैग को रोकने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार, हम यह कैसे कर सकते हैं

नई दिल्ली । भड़काऊ ट्विटर हैशटैग को रोकने के लिए लेकर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई कर सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस एसए बोवडे ने कहा कि हम यह कैसे कर सकते हैं। आप याचिका में कह रहे हैं कि ट्विटर पर लोग गलत बातें लिख रहे हैं। यहां वैसा हैं कि लोग फोन पर गंदी बातें करते हैं,तब एमटीएनएल को बंद करने के लिए कह दे। हम इस तरह के आदेश जारी नहीं कर सकते।

दरअसल, बीते दिनों तबलीगी जमात का कोरोना कनेक्शन सामने आने के बाद ट्विटर पर कई हैशटैग चले थे। इसके खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी, लेकिन वहां से याचिका खारिज होने के बाद सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल करके भड़काऊ हैशटैग को रोकने की मांग की गई थी। वकील ख्वाजा एजाजुद्दीन की ओर से दायर याचिका में कहा गया कि ये ट्रेंड रुकोरोनावायरसजिहाद, रुकोरोनाजिहाद, रुनिजामुद्दीनईडियट्स, रुतबलीगीजमातवायर के रूप में तैयार किए गए हैं। ये हैशटैग जमातियों के खिलाफ और विश्व स्वास्थ्य संगठन के दिशा निर्देशों और धर्म के खिलाफ है। याचिकाकर्ता ने कहा कि कोरोना के लिए विशेष समुदाय को दोष देना डब्ल्यूएचओ की गाइडलाइन का उल्लंघन है, जिसमें कहा गया था कि किसी धर्म को महामारी से न जोड़ा जाए। देश के सांप्रदायिक सौहार्द को बिगाड़ने की कोशिश की जा रही है। इस कार्रवाई होनी चाहिए।

ऋषि के निधन पर छलके आंसू,लता बोलीं छह माह के थे जब गोद में लिया था

नई दिल्ली । बॉलीवुड के चहेते एक्टर ऋषि कपूर के निधन ने सभी की आंखें नम कर दी हैं। उनकी मौत पर पूरा बॉलीवुड शोकग्रस्त है। लता मंगेशकर ने दुख की इस घड़ी में अफसोस जताया है। लता ने ऋषि कपूर के साथ बचपन की जुड़ी यादों का जिक्र किया। उन्होंने कहा मैं वाकई बहुत दुखी हूं। मुझसे मत पूछिए। जब वह छह माह के थे तो उन्हें हाथों में लिया था। मैं बहुत दुखी हूं। कुछ भी कह पाना नामुमकिन है मेरे लिए। लता की बहन आशा भोंसले ने भी ऋषि कपूर की मौत पर दुख जताया।कुछ समय पहले ऋषि कपूर ने लता के साथ अपनी एक तस्वीर भी साझा की थी। इस तस्वीर में ऋषि कुछ महीनों के थे जब लता ने उन्हें गोद में उठाया था। उन्होंने इस फोटो को ट्वीट कर लिखा था– 'नमस्ते लता जी। आपके आशीर्वाद से देखिए मुझे अपनी दो या तीन महीने वाली अपनी पिक्चर मिल गई। सदा आपका आशीर्वाद रहा है मुझ पर। बहुत बहुत धन्यवाद। क्या मैं दुनिया को बता सकता हूं ये तस्वीर ट्विटर पे डाल के? ये एक बेशक़ीमती पिक्चर है मेरे लिए!

दिल्ली सरकार ने डीए और डीआर वृद्धि पर लगाई रोक

नई दिल्ली । दिल्ली सरकार ने अपने करीब 2.2 लाख कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के महंगाई भत्ते में वृद्धि पर जुलाई 2021 तक रोक लगा दी है। इससे पहले केंद्र सरकार भी इस तरह का फैसला ले चुकी है। जनवरी 2020 से कर्मचारियों का महंगाई भत्ता और पेंशनभोगियों की महंगाई राहत लंबित थी। दिल्ली वित्त विभाग ने इस संबंध में केंद्र सरकार के इस तरह के आदेश का समर्थन करते हुए आदेश जारी किया। एक सरकारी अधिकारी ने कहा कि दिल्ली सरकार ने डीए और डीआर के मुद्दे पर केंद्र सरकार के आदेश का समर्थन किया है और दिल्ली सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों पर भी यह लागू होगा। उन्होंने कहा कि इससे बचने वाले धन का इस्तेमाल राजधानी दिल्ली में कोविड–19 से निपटने में किया जाएगा। दिल्ली सरकारी कर्मचारी कल्याण संघ के महासचिव उमेश बत्रा ने कहा कि इस फैसले से करीब 2।2 लाख कर्मचारी और पेंशनभोगी प्रभावित होंगे। दिल्ली में बुधवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 125 नए मामले सामने आने के साथ ही संक्रमितों की संख्या बढ़कर 3439 हो गई है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने बुधवार रात को ट्विटर पर यह जानकारी दी। दिल्ली में इस समय कोरोना के 2291 मरीज हैं और अब तक 56 लोगों की इस महामारी से मौत हो चुकी है। राजधानी में 1092 लोग कोरोना संक्रमण से पूरी तरह ठीक भी हुए हैं

क्वारंटाइन के 2 निर्देशों पर सीआरपीएफ में विवाद

नई दिल्ली । कोरोना वायरस के कारण सीआरपीएफ के 55 वर्षीय कर्मी की मौत और उनकी बटालियन में करीब 50 जवानों के संक्रमित होने के बीच अर्द्धसैनिक बल में 2 अलग–अलग निर्देशों को लेकर विवाद हो गया है। सीआरपीएफ के महानिदेशक एपी माहेश्वरी ने नए निर्देश जारी किए हैं कि कोरोना वायरस के संदिग्ध मामलों में 14 दिनों का अनिवार्य क्वारंटाइन होगा। अर्द्धसैनिक बलों के मेडिकल खंड ने अप्रैल में एक आदेश जारी कर कहा था कि जिस कर्मचारी में कोरोना के लक्षण नहीं हैं, वे पांच दिनों के क्वारंटाइन बाद काम पर लौट सकते हैं।माहेश्वरी ने कहा, संक्रमण के मामले आने के बाद स्रोत का पता लगाया गया, जो एक नर्सिंग सहायक जवान है। वह पांच दिन के क्वारंटाइन के बाद ड्यूटी पर लौट आया था। वह संक्रमित होने के बाद अभी अस्पताल में भर्ती है। संदेह है कि संक्रमण उससे 31 वीं बटालियन के अन्य जवानों तक पहुंचा। सीआरपीएफ प्रमुख ने बताया कि मैंने 26 अप्रैल को बल के निदेशक (मेडिकल) से लिखित स्पष्टीकरण मांगा है। वहीं केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इस गंभीर घटना का संज्ञान लिया है।

बॉलीवुड के दिग्गजों को मुंबई पुलिस ने दी श्रद्धांजलि

मुंबई, । बॉलीवुड के दो दिग्गज कलाकारों का पिछले 24 घंटे के अंदर निधन हो गया। अभिनेता इरफान खान और ऋषि कपूर, जिन्हें बॉलीवुड में दिग्गज कलाकार होने का सम्मान प्राप्त था, वो इस दुनिया को अलविदा कह गए। दोनों अभिनेताओं के निधन की खबर से बॉलीवुड शोकाकुल है। सोशल मीडिया में काफी एक्टिव रहने वाली मुंबई पुलिस ने ट्विटर के माध्यम

से ट्वीट करके दोनों दिग्गज अभिनेताओं को श्रद्धांजलि अर्पित की है। गुरुवार को अभिनेता ऋषि कपूर के निधन पर पुलिस ने ऋषि कपूर का फोटो साझा करते हुए ट्वीट किया कि आप हमेशा हमारे दिलों में जिंदा रहेंगे।

ट्वीट में लिखा गया है कि फूड–फिल्म्स और फ्रेंड्स के दिवाने, खेल खेल में हम किसी से कम नहीं बोलने वाले सागर की सरगम गाने वाले, बॉबी बनकर बोल राधा बोल बोलने वाले, लव आजकल के अग्निपथ पर चलने वाले आज हम सबको कर्ज में छोड़कर परदेशी हो गए। इसी तरह बुधवार को अभिनेता इरफान खान का कैंसर के कारण निधन हो गया। मुंबई पुलिस ने इरफान खान का फोटो शेयर करते हुए श्रंद्धाजलि अर्पित की और लिखा कि हम तुम्हे कभी नहीं भूलेंगे वहीं फोटो में लिखा गया है कि तुमको याद रखेंगे गुरु हम।

दूसरे ट्वीट में लिखा कि 'इरफान खान' इन्होंने अपने अद्भुत अभिनय से अलग–अलग किरदार निभाए, अपने किरदारों से उन्होंने हमारा मनोरंजन किया। अब घर पर रहने की भूमिका निभाते हुए हम उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करें। यानी पुलिस बातों ही बातों में लॉकडाउन पालन करने का संदेश दे गई।

जूडिशियल कॉउन्सिल द्वारा कैप्टेन टॉम मूर को सम्मान सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस ए के सीकरी नें दी बधाई

नई दिल्ली : (न्यूज़ वार्ता) सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस ए के सीकरी ने कैप्टेन टॉम मूर को जूडिशियल कॉउन्सिल द्वारा इंस्पायर्ड एचीवर अवार्ड द्वारा सम्मानित किये जाने पर अपना बधाई सन्देश भेजा जिसको ट्वीटर के माध्यम से कैप्टेन टॉम को ट्वीट कर दिया गया । बधाई देने के साथ साथ जस्टिस सीकरी ने टॉम की लम्बी आयु की भी कामना की तथा उनके द्वारा जुटाई रकम को सराहा तथा जूडिशियल कॉउन्सिल द्वारा उनको सम्मानित किये जाने की भी प्रशंषा की ।

मानवाधिकारों के संरक्षण तथा उनके हित में कार्यरत जूडिशियल कॉउन्सिल द्वारा इंस्पायर्ड एचीवर अवार्ड को देने की परंपरा 2019

से शुरू की गए थी परन्तु माप दंड इतने कढोर थे की उस पर कोई खरा नहीं उतर पाया । श्री राजीव अग्निहोत्री जो जूडिशियल कॉउन्सिल के डायरेक्टर जनरल हैं , नें न्यूज़ वार्ता के संवादाता से बातचीत के दौरान कहा कैप्टेन टॉम के जज्बे को सलाम उनके मुताबिक कोरोना को हराने की जिद के चलते 100 साल के कैप्टन टॉम ने ब्रिटेन की नेशनल हेल्थ सर्विस (छभ्ै) के डॉक्टर्स मेडिकल स्टाफ और वालंटियर्स के लिए चंदा जुटाने के लिए खुद के लिए एक चैलेंज लिया था । उन्होंने कहा कि कैप्टन टॉम लाचार हैं अब चल नहीं पाते हैं और उन्हें खड़े होने के लिए वॉकिंग फ्रेम का सहारा लेना पड़ता है। टॉम की कूल्हे की हड्डी टूटी हुई है और उनके लिए चल पाना काफी मुश्किल है। हालांकि टॉम का कहता है कि वो फौजी रहे हैं और ऐसे महामारी के बुरे समय में छभ्ै की मदद के लिए गार्डन के 100 चक्कर काटने के लिए तैयार हैं। शुरूआत में टॉम की योजना थी कि वह एक हज़ार पाउंड की राशि एकत्र करेंगे और उसे नेशनल हेल्थ सर्विस को दान देंगे शुरूआत में योजना थी कि वह एक हज़ार पाउंड की राशि एकत्र करेंगे और उसे नेशनल हेल्थ सर्विस को दान देंगे ।

हौसला बुलंद था और लोगो का प्रेम और उनकी द्रढ़ता के चलते दो अरब अस्सी करोड़ रुपए से भी जयादा इकढ्ठा हो गए । यह रकम जुटाने वाले कैप्टेन टॉम मूर जिनका आज जन्म दिन भी है। उनको दुनिया भर से बधाई सन्देश आरहे हैं बधाई की श्रंखला में इजाफा किया है इंस्पायर्ड एचीवर अवार्ड । जूडिशियल कॉउन्सिल द्वारा इंस्पायर्ड एचीवर अवार्ड को चार लोगों की कमिटी तय करती है और सबकी राय होना जरूरी है । तरीका नायाब अवार्ड की सूचना ट्वीटर पर ट्वीट तथा रॉयल मेल में ईमेल के द्वारा भेजी गयी ।

बधाई देने वालों में एन सी सी वारियर्स श्री शिवम् रावत कानपुर से जो एन सी सी के कैडेट्स का संगठन है। का कहना है कैप्टेन टॉम की उम्र उनके हौसले को पछाड़ नहीं पाई यह बहुत बड़ी बात है उनको मिल कर सलूट करना चाहूँगा ।

श्री अग्निहोत्री ने बताया सर्टिफिकेट हम भेज चुके हैं । ट्रॉफी जैसे ही हालात सुधरते हैं भेज दी जाएगी ।

श्री संजय जो कंसल्टेटिव कमिटी के मेंबर हैं ने खुशी जाहिर की तथा कहा काश यह अवार्ड एक भव्य आयोजन में दिया जाता ।

भारत को विश्व व्यापार में बड़ी हिस्सेदारी की संभावनाएं तलाशनी होंगीः मंत्री गोयल

नई दिल्ली । केन्द्रीय वाणिज्य और उद्योग एवं रेल मंत्री पीयूष गोयल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से, देश के निर्यात संवर्धन परिषदों (ईपीसी) के साथ चर्चा की। उन्होंने निर्यातकों से आह्वान किया कि वे विशिष्ट क्षेत्रों में अपनी ताकत, क्षमता और प्रतिस्पर्धी लाभ की पहचान करें और वैश्विक बाजारों में उनका इस्तेमाल करने पर ध्यान केंद्रित करें। गोयल ने कहा कि कोविड–19 का प्रभाव खत्म होने जाने के बाद के समय में , वैश्विक आपूर्ति–श्रृंखलाओं में आमूल बदलाव होंगे ऐसे में भारतीय उद्योगपतियों और निर्यातकों को विश्व व्यापार में महत्वपूर्ण हिस्सेदारी के अवसर तलाशने होंगे। उन्होंने निर्यातकों को आश्वासन दिया कि सरकार उनके प्रयासों में एक सहयोगी बनकर मदद करेगी। श्री गोयल ने कहा कि विदेशों में भारतीय दूतावास और उच्चायोग इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि निर्यातकों को कुछ प्रोत्साहन दिए जा सकते हैं लेकिन इन्हें उचित साबित करना होगा और यह भी तय करना होगा कि ये विश्व व्यापार संगठन के नियमों के अनुरुप हों। गोयल ने कहा कि उनका मंत्रालय उन विशिष्ट क्षेत्रों की पहचान करने का काम कर रहा है, जिन्हें निर्यात के उद्देश्य से तत्काल भविष्य में आगे ले जाने का काम किया जा सके। उन्होंने कहा कि भारत में इस बार रबी फसल की बंपर पैदावार होने जा रही है। अनाज के भंडार पहले से ही भरे हुए हैं। इसी समय में ऐसी खबरें आ रही हैं कि कई देशों में खाद्य पदार्थों की कमी हो रही है। कई स्थानों पर कोविड–19 संकट के कारण आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान हो रहा है जिससे गुणवत्ता वाला भोजन पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि यह देश के कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के निर्यात के लिए एक अच्छा अवसर होता है। केन्द्रीय मंत्री ने निर्यात प्रोत्साहन परिषदों से कहा कि वह अपने सदस्यों के साथ विचार–मंथन करें और इस बारे में कुछ नया करने की सोच के साथ आगे आएं।

केन्द्रीय मंत्री ने निर्यात प्रोत्साहन परिषदों से कहा कि वह अपने सदस्यों के साथ विचार–मंथन करें और इस बारे में कुछ नया करने की सोच के साथ आगे आएं। निर्यात संवर्धन परिषद के पदाधिकारियों ने कोविड–19 महामारी और लॉकडाउन के दौरान समर्थन देने और समयबद्ध समाधान के साथ आगे आने के लिए मंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने सरकार को ऐसे कई सुझाव दिए, जो उनके कामकाज को और सुविधाजनक बना सकते हैं। बैठक में फियो, एईपीसी, एसआरटीईपीसी, सीएलई, एसईपीसी, केमेक्ससिल, जीजेईपीसी, सी. ईपीसी, शेफेक्सिल, सीईपीसीआई, पीईपीसीआई और फार्मेक्सिल सहित कई निर्यात संगठनों ने हिस्सा लिया।

देश में कोरोना वायरस केसों के डबलिंग और रिकवरी रेट में सुधार

नई दिल्ली । कोरोना वायरस के खिलाफ जंग में देश को गुरुवार को अच्छी खबरें मिली हैं। एक तरफ कोरोना के डबलिंग रेट में सुधार हो रहा है मरीजों की संख्या की तुलना में ठीक होने वालों का अनुपात भी सुधर रहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि देश में डबलिंग रेट के साथ रिकवरी रेट में भी सुधार हुआ है। देश में कोरोना वायरस केसों का डबलिंग रेट अब बढ़कर 11 दिन हो गया है, जोकि लॉकडाउन से पहले महज 3–4 दिन था। कई राज्यों ने राष्ट्रीय स्तर से भी अच्छा प्रदर्शन किया है। 4 राज्यों में तो केसों का डबलिंग रेट 40 दिन से भी अधिक है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल का कहना है कि दिल्ली, उत्तर प्रदेश जम्मू–कश्मीर, ओडिसा, राजस्थान, तमिलनाडु और पंजाब में डबलिंग रेट 11 से 20 दिन का है तो कर्नाटक, लद्दाख, हरियाणा, उत्तराखंड और केरल में कोरोना संक्रमण के केस 20 से 40 दिन में दोगुने हो रहे हैं। असम, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश में कोरोना केस डबल होने में 40 दिन से अधिक का समय लग रहा है। स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि देश में कोरोना वायरस संक्रमण केसों की संख्या बढ़कर 33050 हो गई है। 1074 लोगों की मौत हो चुकी है। अब तक 8325 लोग ठीक हो चुके हैं। 24 घंटे में 630 ठीक हुए हैं। इसके साथ ही देश में रिकवरी रेट सुधरकर 25.19 पर्सेंट हो चुका है, जोकि 14 दिन पहले 13.06 फीसदी था।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि देश में कोरोना वायरस की वजह से मृत्यु दर 3.2 पर्सेंट हैं। मृतकों में 78 फीसदी ऐसे लोग हैं जो दूसरी बीमारियों से भी ग्रस्त थे। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि देश में कोरोना मरीजों की मृत्य दर 3.20 पर्सेंट है। इनमें से 65 पर्सेंट पुरुष और 35 पर्सेंट महिलाएं हैं। उम्र के लिहाज से देखें तो मृतकों में 14 पर्सेंट 40 साल से कम के हैं। मृतकों में 34.8 पर्सेंट 40–60 उम्र के हैं तो 51।2 पर्सेंट की उम्र 60 साल से अधिक थी।

मौलाना साद को एक और नोटिस, पुलिस ने पूछा कोरोना टेस्ट हुआ या नहीं

नई दिल्ली । तबलीगी जमात के अमीर मौलाना साद ने अभी तक अपनी कोरोना रिपोर्ट नहीं सौंपी है। मौलाना ने क्राइम ब्रांच को कोरोना टेस्ट रिपोर्ट देने को कहा था, लेकिन काफी दिन बीत जाने के बाद भी अभी तक मौलाना साद ने अपनी कोरोना रिपोर्ट नहीं दी है। इस बीच मौलाना मोहम्मद साद को क्राइम ब्रांच ने एक और नोटिस भेजा है। चौथे नोटिस में पूछा गया कि मौलाना साद ने सरकारी अस्पताल में अपना कोरोना टेस्ट कराया है या नहीं? अगर कराया है तो उसकी रिपोर्ट अब तक क्यों नही क्राइम ब्रांच को सौंपी है। मौलाना साद ने कहा था कि मैंने कोरोना का टेस्ट करवाया है। वहीं, मौलाना के वकील ने दावा किया था कि रिपोर्ट निगेटिव आई है और इसे जल्द ही क्राइम ब्रांच को सौंपा जाएगा। अब सवाल ये की अब तक मौलाना ने अब तक कोरोना की रिपोर्ट क्राइम ब्रांच को क्यों नहीं सौंपी? इस बीच मौलाना साद का मेवात कनेक्शन भी जांच एजेंसियां खंगाल रही है। मेवात के नुंह जिले में मौलाना साद के 2 करीबियों पर क्राइम ब्रांच की नजर है। प्रवर्तन निदेशालय भी इनसे फंडिंग के मामले में पूछताछ कर सकती है। मरकज की जांच में शामिल एक कांस्टेबल कोरोना पॉजिटिव पाया गया है।

आवश्यक चिकित्सा सामग्री के लिए चल रही 411 लाइफलाइन कार्गो उड़ानें

नई दिल्ली । एयर इंडिया, अलायंस एयर, आईएएफ और निजी विमान वाहकों द्वारा लाइफलाइन उड़ान के तहत 411 उड़ानें संचालित की गई हैं। इनमें से 237 उड़ानें एयर इंडिया और अलायंस एयर द्वारा संचालित की गई हैं। लाइफलाइन उड़ान द्वारा अब तक ढोया गया कार्गो 776.73 टन है जिसके लिए 4,04,224 किलोमीटर की दूरी तय की गई। 28 अप्रैल 2020 को कार्गो का वजन 28.05 टन था। कोविड–19 के खिलाफ भारत के युद्ध का समर्थन करने के लिए देश के दूरदराज के हिस्सों में आवश्यक चिकित्सा कार्गो के परिवहन के लिए नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा लाइफलाइन उड़ान की उड़ानें संचालित की जा रही हैं। पवन हंस लिमिटेड सहित अन्य हेलीकॉप्टर सेवाएं जम्मू एवं कश्मीर, लद्दाख, द्वीप क्षेत्र और पूर्वोत्तर क्षेत्रों में परिचालन करते हुए महत्वपूर्ण चिकित्सा सामग्री और रोगियों का परिवहन करती आ रही हैं। 28 अप्रैल 2020 तक पवन हंस ने 7,257 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए 2.0 टन माल ढोया है। इसमें विशेष ध्यान पूर्वोत्तर क्षेत्र, द्वीप क्षेत्रों और पहाड़ी राज्यों पर दिया गया है। एयर इंडिया और आईएएफ ने मुख्य रूप से जम्मू एवं कश्मीर, लद्दाख, पूर्वोत्तर और अन्य द्वीप क्षेत्रों के लिए सहयोग किया। घरेलू कार्गो ऑपरेटर स्पाइसजेट, ब्लू डार्ट, इंडिगो और विस्तारा वाणिज्यिक आधार पर कार्गो उड़ानें संचालित कर रहे हैं। स्पाइसजेट ने 24 मार्च से 28 अप्रैल 2020 के बीच 11,34,204 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए 651 कार्गो उड़ानों का संचालन किया जिसमें 4,741 टन माल ढोया गया। इनमें से 233 अंतर्राष्ट्रीय कार्गो उड़ानें थीं। ब्लू डार्ट ने 25 मार्च से 28 अप्रैल 2020 के दौरान 224 कार्गो उड़ानों का संचालन किया जिसमें 2,44,643 किलोमीटर की दूरी तय की गई और 3,742 टन माल ढोया गया। इनमें से 10 अंतर्राष्ट्रीय कार्गो उड़ानें थीं। इंडिगो ने 3–28 अप्रैल 2020 के दौरान 59 कार्गो उड़ानों का संचालन किया है, जिन्होंने 96,742 किलोमीटर की दूरी तय की और लगभग 246 टन माल का परिवहन किया जिसमें 18 अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें भी शामिल हैं। इसमें सरकार के लिए मुफ्त में ढोई जाने वाली चिकित्सा आपूर्ति भी शामिल है। विस्तारा ने 19–28 अप्रैल 2020 के दौरान 14 कार्गो उड़ानों का संचालन किया जिन्होंने 20,466 किमी की दूरी तय की और लगभग 113 टन कार्गो ढोया।

अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र की बात करें तो दवा, चिकित्सा उपकरण और कोविड–19 राहत सामग्री के परिवहन के लिए पूर्वी एशिया के साथ एक कार्गो एयर–ब्रिज की स्थापना की गई थी। इसमें एयर इंडिया द्वारा लाए गए मेडिकल कार्गो की मात्रा 668 टन है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सफलता और असफलता हैं एक सिक्के के दो पहलू

यह एक सहज मानवीय स्वभाव हैं कि हर व्यक्ति केवल सफलता चाहता है और कोई भी असफल नहीं होना चाहता ले. किन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि सफलता और असफलता एक सिक्के के ही दो पहलू हैं। यह एक रेखा गणित के स्वयं सिद्ध की तरह स्थापित है कि दुनिया में जो व्यक्ति सफलता के शीर्ष पर अपने–अपने क्षेत्रों में पहुंचे हैं वे कभी ना कभी

जीवन के किसी मोड़ पर असफल ना हुए हो। एक बार की असफलता के बाद जो व्यक्ति निराश नहीं होता और लगातार सफलता के प्रयास करता रहता है वह एक न एक दिन अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लेता है और अपनी मंजिल तक पहुंच ही जाता है। इसके लिए जरूरी है केवल लगातार बिना फल की चिंता किए निस्वार्थ कर्म में लगे रहना और लक्ष्य प्राप्ति की दिशा में प्रयास करते रहना। जो व्यक्ति ऐसा करता है एक ना एक दिन सफलता उसके कदम चूमती ही है। इस कहावत को हमेशा ध्यान में रखना चाहिए 'करत करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान'। सफलता कि जो सूत्र विश्व के प्रसिद्ध चिंतकों और लेखकों ने बताए हैं उसमें भी साफ तौर पर कहा गया है कि एक बार मिली असफलता स्थाई तौर पर नहीं होती है बल्कि लगातार लगन और मेहनत से आगे चलकर हम अपना लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं। असफलता से

निराश होने की कतई आवश्यकता नहीं है, बल्कि हमें गहन चिंतन मनन करना चाहिए कि हमारे प्रयासों में कहां कमी रह गई या क्या कमजोरी थी और उसे समझकर दूर कर यदि एकाग्रता से प्रयास करेंगे तो हमें एक दिन अवश्य सफलता मिलकर ही रहेगी।

श्रीअरविंद आश्रम पुडुच्चेरी की श्रीमां ने विस्तार से सफलता और असफलता पर प्रकाश डाला है और वे कहती हैं कि जो लोग अपने अनित्य, समग्र जीवन से अधिक फल पाना चाहते हैं उनके लिए वर्तमान क्षण की तुष्टि को अपने आदर्श की उपलब्धि के लिए त्यागने की विधि जानना बहुत बड़ी कला है। सफल लोगों की अनगिनत श्रेणियां हैं। उनका निर्धारण उनके आदर्श की कम या अधिक विशालता, उदात्तता, जटिलता, पवित्रता और प्रकार के अनुसार होता है। कोई फटे पुराने कपड़े बटोरने और बेचने में सफल हो सकता है तो कोई समस्त संसार का मालिक अथवा पूरी तरह से वैरागी होने में सफल हो सकता है। ये तीनों उदाहरण यदि देखें जाएं तो एक दूसरे से बहुत अधिक स्तरों के हैं, व्यक्ति का न्यूनाधिक पूर्ण और विस्तृत आत्म–संयम ही सफलता को संभव बनाता है। हम श्रीमां के विचारों के आलोक में देखेंगे तो पाएंगे कि दूसरी ओर असफल होने का केवल एक ही मार्ग है और यह बड़े से बड़े, सर्वश्रेष्ठ बुद्धिमानों के लिए तथा छोटे से छोटे तथा अत्यंत सीमित बुद्धिवालों के साथ और उन सभी के साथ होता है जो वर्तमान के संवेदन को अपने अभिप्रेत लक्ष्य के अधीन नहीं कर सकते। वे लक्ष्य तो चाहते हैं पर उनमें उसका मार्ग अपनाने का बल नहीं होता। उपलब्धि तक ले जाने वाला मार्ग अपने विस्तार और जटिलता में तो नहीं पर प्रकृति में सबके लिए समान होता है।

एक छोर पर वह व्यक्ति होता है जिसने जो कुछ सोचा था वह पूरी तरह पा लिया और दूसरे छोर पर है वह है जो कुछ भी पाने में असमर्थ रहा। निःसंदेह, इन दोनों के बीच असीम मध्यवर्ती श्रेणियां है। ये श्रेणियां बहुत जटिल हैं क्योंकि लक्ष्य की उपलब्धि में बहुत सारे दर्जे ही नहीं, बल्कि लक्ष्य के विविध गुणों में भी भेद होता है। कुछ ऐसी महत्वाकांक्षाएं है, जो केवल निजी हितों, भौतिक, भावनागत या बौद्धिक हितों की खोज करती हैं। कुछ अन्य ऐसी है जिनके लक्ष्य अधिक व्यापक, अधिक सामुदायिक या ज्यादा ऊंचे होते हैं। कुछ ऐसे भी लक्ष होते हैं जिनके बारे में हम कह सकते हैं, कि मनुष्य से ऊपर के हैं, जो उन शिखरों पर जाना चाहते हैं जो शाश्वत सत्य चेतना और शांति की भावनाओं में जा खुलते हैं। यह समझना तो आसान होगा कि व्यक्ति के त्याग और प्रयास उसके चुने हुए लक्ष्य की विशालता और उच्चता के अनुरूप होना चाहिए। अत्यंत सामान्य से लेकर लोकातीत तक, किसी भी स्तर पर, उस व्यक्ति को, जिसने कोई लक्ष्य चुना हो, कदाचित आत्म– संयम और उपलब्ध यज्ञ शक्ति के योग फल और हर प्रकार के त्याग के योगफल में पूर्ण संतुलन मिलता होगा। जब किसी व्यक्ति की संरचना पूर्ण संतुलन को संभव बनाती है तो उसका पार्थिव जीवन अपना अधिक से अधिक परिणाम लाता है। हर चीज सब की है। यह कहना या सोचना कि यह चीज मेरी है, एक ऐसा अलगाव पैदा करता है, एक ऐसा भेद लाता है जो कि वास्तविकता में नहीं है। हर चीज सबकी है, यहां तक कि जिस द्रव्य से बने हैं वह भी सब का है। यह परमाणुओं का एक भंवर है जो हमेशा घूमता रहता है। वह किसी एक का हुए बिना क्षणिक रूप में आज के लिए हमारे संघटन को गठित करता है, कल वह कहीं और होगा। ...जो यह कहते हैं यह विचार मेरा है और जो सोचते हैं कि वे औरों को उससे लाभ उठाने देते हैं और यह उनकी उदारता है तो वास्तव में ऐसे लोग मूर्ख की श्रेणी में आते हैं। सही मायने में देखा जाए तो विचारों का जगत सबका है, यथार्थ यही है कि बौद्धिक शक्ति वैश्विक सकती है। श्रीमां ने हमें बताया है कि हम प्रणालियों की तरह हैं। उनमें जो कुछ आता है उसे अगर खुले रूप में बहने न दिया जाए तो फिर प्रणालियां ही बंद हो जाती है और आगे से कुछ नहीं आता है बल्कि उसमें जो कुछ है वह भी सड़ जाता है। इसके विपरीत अगर हम प्राणिक, बौद्धिक और आध्यात्मिक बाढ़ को खुले तौर पर बहने दे, अपने आप को महत्व देते हुए, अपने छोटे से व्यक्तित्व को महान वैश्विक धरा के साथ जोड़ सके तो हम जो कुछ देंगे उससे गुना अधिक पाएंगे। योग एक ऐसी शक्ति है जिसके द्वारा हम अपने अवचेतन मस्तिष्क को जागृत कर जो भी करना चाहते हैं उसके चमत्कारिक नतीजे पा सकते हैं। योग के द्वारा असाध्य से असाध्य दिखने वाले लक्ष्य को हम प्राप्त कर सकते हैं। अपनी असफलता को सफलता में बदलने के लिए हमारे अवचेतन मन की शक्तियां सबसे कारगर होती है बशर्ते कि हम योग साधना के द्वारा उन्हें जागृत कर सके और जो कुछ जीवन में पाना चाहते हैं उसके संदेश उसी भावना के साथ भेजें जो हम बनना चाहते हैं। हमारे अवचेतन मन की यह विशेषता है कि वह वही समझता है और वही करता है जो हम उसे कहते हैं सकारात्मक संदेश देंगे तो हमें उसके सकारात्मक नतीजे मिलेंगे। मैं सफल हूँ यह दोहराते हुए क्या पाना चाहते हैं यह बात निरंतर दोहराते रहे। हमेशा याद रखें कि सुबह उठते समय का ब्रह्म मुहूर्त सबसे उपयुक्त होता है जो कुछ अपने अवचेतन मस्तिष्क तक पहुंचाना चाहते हैं पहुंचा सकते हैं। जहां तक योग का सवाल है योग की यात्रा लंबी और श्रमसाध्य है। इसमें आगे बढ़ने के लिए तैयारी करना होती और यह हमारे अंदर कुछ ऐसे विशेष गुण और मनोवृति को विकसित करने में सहायक होता है जिनकी योग पथ पर हमें नितांत आवश्यकता होती है। यही संदेश है हमें श्रीमां ने भी दिया है।

देश के मजदूर कैसे मनायेगें मई दिवस?

(01 मई मजदूर दिवस पर विशेष)

दुनिया के सभी कामगारों, श्रमिकों को समर्पित एक मई को मनाए जाने वाला मजदूर दिवस इस बार भी मनाया जाएगा। लेकिन इस बार का

मजदूर दिवस अन्य वर्षो की अपेक्षा अलग ढंग से तंग दिली में मनेगा। देष में आगामी तीन मई तक चल रहे देशव्यापी लाक डाउन के कारण देश के सभी कल कारखाने, हाट–बाजार व अन्य व्यवसायिक संस्थान जहां मजदूर काम करते हैं सभी बंद पड़े हैं। लाक डाउन के चलते काम बंद होने के कारण देशभर के मजदूर अपने अपने घरों में बेरोजगार बैठे हुए हैं। काफी संख्या में ऐसे मजदूर जो कमाने के लिए देश के दूसरे प्रांतों में गए हुए थे। मगर अचानक से लाकडाउन होने के चलते अपने घर नहीं लौट पाए वो सब अलग–अलग प्रदेशों में बनाए गए राहत शिविरों में फंसे हुए हैं।

घर लौटने का साधन नहीं मिलने के कारण बड़ी संख्या में मजदूर पैदल ही अपने घरों की तरफ निकल पड़े हैं। जिनका ना कोई खाने का ठिकाना है ना रहने का ठिकाना। ऐसी स्थिति में फंसे हुए लोगों के लिए इस बार का मजदूर दिवस मजबूर दिवस बन कर रह गया है। ऐसी परिस्थिति में मजदूर दिवस मनाने की बात सोचना भी मुनासिब नहीं लगता है।

भारत सहित दुनिया के सभी देशों में मजदूर दिवस मनाया जाता है। जिसका मुख्य उद्देश्य उस दिन मजदूरों की भलाई के लिए काम करने व मजदूरों में उनके अधिकारों के प्रति जागृति लाना होता है। मगर आज तक तो कहीं ऐसा हो नहीं पाया है। हमारे देश का मजदूर वर्ग आज भी अत्यंत ही दयनीय स्थिति में रह रहा है। उनको न तो मालिकों द्वारा किए गए कार्य की पूरी मजदूरी दी जाती है और ना ही अन्य वांछित सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाती है। गांव में खेती के प्रति लोगों का रुझान कम हो रहा है। इस कारण बड़ी संख्या में लोग मजदूरी करने के लिए शहरों की तरफ पलायन कर जाते हैं। जहां ना उनके रहने की कोई सही व्यवस्था होती है ही उनको कोई ढ़ग का काम मिल पाता है। मगर आर्थिक विपन्नता के चलते शहरों में रहने वाले मजदूर वर्ग जैसे तैसे कर वहां अपना गुजर–बसर करते हैं।

बड़े शहरों में झोंपड़ पट्टी बस्तियों की संख्या तेजी से बढ़ती जा रही है। जिन में रहने वाला लोग किन विपरीत परिस्थितियों का सामना करता है। इसको देखने की न तो सरकार को फुर्सत है ना हीं किसी राजनीतिक दलों के नेताओं को। झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले मजदूरों को शौचालय जाने के लिए भी घंटों लाइनों में खड़ा रहना पड़ता है। झोपड़ पट्टी बस्तियों में ना रोशनी की सुविधा रहती है ना पीने को साफ पानी मिलता है और ना ही स्वच्छ वातावरण। शहर के किसी गंदे नाले के आसपास बसने वाली झोपड़ पट्टियों में रहने वाले गरीब तबके के मजदूर कैसा नारकीय जीवन गुजारते हैं उसकी कोई कल्पना भी नहीं कर सकता है। मगर इसको अपनी नियति मान कर पूरी मेहनत से अपने मालिकों के यहां काम करने वाले मजदूरों के प्रति मालिकों के मन में जरा भी सहानुभूति के भाव नहीं रहते हैं। उनसे 12–12 घंटे लगातार काम करवाया जाता है। घंटो धूप में खडे रहकर बड़ी बड़ी कोठियां बनाने वाले मजदूरों को एक छप्पर तक नसीब नही हो पाता है।

देशव्यापी लाक डाउन के चलते आज सब से ज्यादा परेशान देश के करोड़ों मजदूर हो रहे हैं। लाकडाउन के कारण उनका काम धंधा एकदम चौपट हो गया है। उनके परिवार के समक्ष गुजर–बसर करने की समस्या पैदा हो रही है। हालांकि सरकार ने देश के गरीब लोगों को कुछ राहत देने की घोषणा की है। मगर सरकार द्वारा प्रदान की जा रही सहायता भी मजदूरों तक सही ढ़ंग से नहीं पहुंच पा रही है। इस कारण बहुत से लोगों के समक्ष रोजी रोटी का संकट व्याप्त हो रहा है। उद्योगपतियों व ठेकेदारों के यहां अस्थाई रूप से काम करने वाले श्रमिको को ना तो उनका मालिक कुछ दे रहा है ना ही ठेकेदार। इस विकट परिस्थिति में श्रमिक अन्य कहीं काम भी नहीं कर सकते हैं। उनकी आय के सभी रास्ते बंद पड़े हैं।

हमारे देश में आज सबसे ज्यादा काई प्रताडित व उपेक्षित है तो वो मजदूर वर्ग है। मजदूरो की सुनने वाला देश में कोई नहीं हैं। कारखानो में काम करने वाले मजदूरो पर हर वक्त इस बात की तलवार लटकती रहती है कि ना जाने कब मील मालिक उनकी छटनी कर काम से हटा दे। कारखानो में कार्यरत मजदूरों से निर्धारित समय से अधिक काम लिया जाता है विरोध करने पर काम से हटाने की धमकी दी जाती है। मजबूरी में मजदूर कारखाने के मालिक की शर्तो पर काम करने को मजबूर होता है। कारखानो में श्रम विभाग के मापदण्डो के अनुसार किसी भी तरह की कोई सुविधायें नहीं दी जाती है।

कई कारखानों में तो मजदूरों से खतरनाक काम करवाया जाता है जिस कारण उनको कई प्रकार की बिमारियां लग जाती है। कारखानों में मजदूरो को पर्याप्त चिकित्सा सुविधा, पीने का साफ पानी, विश्राम की सुविधा तक उपलब्ध नहीं करवायी जाती है। मालिको द्वारा निरंतर मजदूरों का शोषण किया जाता है मगर मजदूरों के हितों की रक्षा के लिये बनी मजदूर यूनियनो को मजदूरो की बजाय मालिको की ज्यादा चिंता रहती है। हालांकि कुछ मजदूर यूनियने अपना फर्ज भी निभाती है मगर उनकी संख्या कम है।

किसी भी राष्ट्र की प्रगति करने का प्रमुख भार मजदूर वर्ग के कंधों पर ही होता है। मजदूर वर्ग की कड़ी मेहनत के बल पर ही राष्ट्र तरक्की करता है। लेकिन भारत का श्रमिक वर्ग श्रम कल्याण सुविधाओं के लिए आज भी तरस रहा है। हमारे देष में मजदूरों का शोषण आज भी जारी है। समय बीतने के साथ मजदूर दिवस को लेकर श्रमिक तबके में अब कोई खास उत्साह नहीं रह गया है। बढ़ती महंगाई और पारिवारिक जिम्मेदारियों ने भी मजदूरों के उत्साह का कम कर दिया है। अब मजदूर दिवस इनके लिए सिर्फ कागजी रस्म बनकर रह गया है।

हर बार मजदूर दिवस के अवसर पर सरकारे समाचार पत्रो में मजदूरो के हित की योजनाओं के बड़े–बड़े विज्ञापन जारी करती है। जिनमें मजदूरों के हितों की बहुत सी बाते लिखी होती हैं। किन्तु उनमें से अमल किसी बात पर नहीं हो पाता है। देश में सभी राजनीतिक दलों ने अपने यहां मजदूर संगठन बना रखे हैं। सभी दल दावा करते हैं कि उनका दल मजदूरो के भले के लिये काम करता है। मगर ये सिर्फ कहने सुनने में अच्छा लगता है हकीकत इससे कहीं उलट हैं।

हमारे देश में मजदूरों की स्थिति सबसे भयावह होती जा रही है। देश का मजदूर दिन प्रतिदिन और अधिक गरीब होता जा रहा है। दिन रात रोजी–रोटी के जुगाड़ में जद्दोजहद करने वाले मजदूर को तो दो जून की रोटी मिल जाए तो मानों सब कुछ मिल गया। आजादी के इतने सालो में भले ही देश में बहुत कुछ बदल गया होगा। लेकिन मजदूरों के हालात तो आज भी नहीं बदले हैं तो फिर श्रमिक वर्ग क्यों कर मनाये मजदूर दिवस?

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एक निजी क्लीनिक सील 4 को नोटिस

ब्यूरो सीतापुरं। विश्वा सीतापुर सीएचसी अधीक्षक डॉ अमित कपूर ने अवैध रूप से संचालित एक निजी क्लीनिक को सील करने और चार निजी अस्पताल संचालकों को नोटिस दी है उन्होंने बताया कि फरीदपुर फर्दापुर में मेडिकल स्टोर में संचालित क्लीनिक को सील किया गया है जागीरा बाद में क्लीनिक संचालक आशीष गुप्ता दिव्यापुर में अवधेश वर्मा महमूदाबाद रोड पर स्थित शिव महिमा के लिए निक्की संचालिका को नोटिस दी गई है हरदा सीएचसी अधीक्षक डॉ नितेश वर्मा ने स्वास्थ्य टीम के साथ कस्बे के पाली क्लीनिक बलिया बाजार वर्कर्द्धिव के लिए नरपतपुर का निरीक्षण किया आवश्यक कागजात न दिखा पाने और दोनों क्लीनिक को सील कर दिया गया है क्लीनिक कदीर पर संचालित मेडिकल स्टोर को सील किया गया है इसके अलावा लहरपुर रोड स्थित चौकी के संचालक को नोटिस दी गई है छापेमारी की सूचना पर मार्ग स्थित दो निजी क्लीनिक में ताला लगाकर भाग गए

जरूरतमंदों के कार्ड बनवा कर राशन दिलाएं

रिपोर्ट ब्यूरो सीतापुर । लहरपुर सीतापुर तहसील लहरपुर सभागार में नोडल अधिकारी डॉ रोशन जैकब व एडीजी मीरा रावत में पीस कमेटी की बैठक की रोशन जैकब ने कहा रमजान में घर पर ही नमाज पढ़ी जाए सभी लोग लाख डाउन का पालन करें मात्र गमछा का प्रयोग व शारीरिक दूरी के नियम का पालन करें अधिकारियों की अपील पर लोगों ने सुझाव भी रखे सुझाव कमल के लिए एसडीएम राम दरस राम को निर्देशित किया एडीजी ने रावत ने कहा जीवन की सुरक्षा सबसे अहम है अधिकारी सेंट बिलाल कॉलेज क्वॉरेंटाइन केंद्र व पुलिस चौकी का निरीक्षण किया कटेहरी टोला में आयुष क्लीनिक व मेडिकल स्टोरों पर शारीरिक दूरी का पालन करने के निर्देश दिए नगर का भ्रमण किया अधिकारी भूरा पुरवा गांव पहुंची यहां कोटे का निरीक्षण किया उन्होंने कहा जरूरतमंदों के राशन कार्ड बनवा कर राशन उपलब्ध कराए जाएं बिना राशन कार्ड वालों को राहत उपलब्ध कराई जाए गरीब पात्र व्यक्ति जिनके पास राशन कार्ड नहीं है उन्हें शीघ्र राशन कार्ड सुनिश्चित कराए जाएं किसी प्रकार की कोई कोताही न बरती जाए हिला हवाली करने वाले व्यक्ति के विरुद्ध एक कार्रवाई की जाए

धारा वर्ड संस्था के लोगो ने बाँटा भोजन

ब्यूरो सीतापुर । कोरोना महामारी के चलते बेरोजगार हुए लोगों को भोजन की समस्या से जूझना पड़ रहा है हालाकि शासन व जिला प्रशासन व्यवस्था में लगा हुआ है इसी के साथ ही स्वयं सेवी संस्थाए भी बढ़ चढ़ कर लोगो की मदद के लिए लगी हुई है इसी क्रम में सीतापुर के कुलदीप कुमार व सत्यम कुमार धारा वर्ड संस्था की तरह से पिछले काफी दिनों से लोगो को भोजन बांट रहे है जिससे कोई व्यक्ति भूखा न रहे शहर के विभिन्न मोहल्लों संजय नगर, लालबाग, आवास विकास, हरदोई रोड, पांडेय नगर, तरीनपुर , शाष्त्री नगर आदि जगहों मोहल्ले में भोजन वितरण का कार्य इन लोगो के द्वारा किया जा रहा है।भोजन के साथ साथ खाद्यान साम्रगी का भी वितरित की जा रही है जिसमें आलू, आटा, दाल चावल, नमक आदि आवश्यक चीजें गरीब व असहाय लोगो को बांटी जा रही है। लोगो ने कहा कि संस्था के कार्यकर्ता सराहना के पात्र है। आवश्यक सामग्री पाकर गरीबों के चेहरे पर खुशी जाहिर हुई

शराब तस्करों को मिला यूपी पुलिस के सिपाही का साथ, 6 गिरफ्तार

गाजियाबाद । गाजियाबाद पुलिस ने लॉकडाउन में शराब की बड़ी खेप के साथ यूपी पुलिस के सिपाही समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने कवि नगर थाना क्षेत्र से 3 गाड़ियों में बैठे इन 6 लोगों के साथ शराब से भरा एक ट्रक भी बरामद किया है इसमें छत्तीसगढ़ मार्का शराब की 101 पेटियां रखी हुई थीं। कविनगर थाना प्रभारी मोहम्मद असलम का कहना है कि नेहरू नगर निवासी राजकुमार, विजय नगर निवासी नरेंद्र यादव, वमेटा निवासी सतीश यादव, सिहानी गेट निवासी मंजीत और साहिबाबाद निवासी आकाश वर्मा व रोहित बैंसला को गिरफ्तार किया है। रोहित बैंसला यूपी पुलिस में सिपाही है और फिलहाल मुजफ्फरनगर पुलिस लाइन में तैनात है। रोहित के पिता यशपाल बैंसला भी दिल्ली पुलिस के रिटायर्ड दारोगा है।

– क्या है मामला

पुलिस का कहना है कि , रोहित शराब माफियाओं से सांठगांठ कर उन्हें संरक्षण प्रदान करता है। लॉकडाउन के दौरान वह शराब की खेप पहुंचाने और पुलिस से बचने के लिए खुद वर्दी पहन कर गाड़ी के साथ चलता था। गाजियाबाद पुलिस को सूचना मिली थी कि शराब की एक बड़ी खेप कविनगर क्षेत्र में सप्लाई के लिए आ रही है। इस सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने बैरिकेड लगाकर वाहनों की जांच शुरू कर दी। इसी दौरान पुलिस ने कवि नगर औद्योगिक क्षेत्र में 6 लोगों को गिरफ्तार कर शराब तस्करी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया गया। अभी भी 4 लोग अभी भी फरार बताए जा रहे हैं।

किसानों को अब 33 % नुकसान पर भी मिलेगा मुआवजा

देहरादून । कोरोना वायरस के चलते देशभर में लागू लॉकडाउन और ऐसे में मौसम की मार झेल रहे किसानों के लिए सरकार ने राहत दी है। अब किसान–बागवान की फसलों को 33: तक नुकसान पर भी मुआवजे मिलेगा। दरअसल अभी तक 33: तक होने वाले नुकसान को आपदा की वजह से नुकसान की श्रेणी में नहीं रखते थे। जिसकी वजह से किसान को कोई मुआवजा नहीं मिलता था। मगर, सरकार अब तिलहन–दलहन फसलों के बीज 75 से 85 फीसदी सब्सिडी पर किसानों को उपलब्ध कराएगी। सरकार ने इस साल खरीफ की फसलों के लिए 6 हजार कुंतल से ज्यादा बीच बांटने का लक्ष्य तय किया है। वहीं केन्द्रीय स्कीम के तहत खरीफ की फसलों पर सब्सिडी भी तय है। इस पर पीएम मोदी ने ट्वीट किया कि 'भारत को अपने अन्नदाताओं पर गर्व है। सरकार पूरे देश का पेट भरने वालों के अधिकारों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है और उनके हितों के लिए कदम उठा रही है।' बता दें कि पीएम मोदी ने केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के एक संवाददाता सम्मेलन के वीडियो लिंक को साझा करते हुए ट्विटर पर ये बातें कहीं। तोमर ने यहां संवाददाताओं से कहा था कि कोविड–19 के कारण लॉकडाउन के बावजूद देश का कृषि क्षेत्र सुगमता से काम कर रहा है।

यूपी में कोरोना एक्टिव संक्रमण के 1651 मामले

लखनऊ (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश में गुरुवार को कोरोना वायरस एक्टिव संक्रमण के 1651 सामने आये। अपर मुख्य सचिव गृह एवं सूचना अवनीश कुमार अवस्थी ने यहां संवाददाताओं को बताया कि प्रदेश में एक्टिव संक्रमण 1651 हैं और कोरोना वायरस संक्रमण के चलते 39 लोगों की मौत हो गयी है। उन्होंने बताया कि कुल 513 लोग पूर्णतया उपचारित होकर घर जा चुके हैं। मेरठ, गाजियाबाद और लखनऊ जैसे शहरों में उपचारित लोगों की अच्छी संख्या है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 60 जिलों में संक्रमण है। छह जिलों में एक्टिव संक्रमण नहीं है, केवल 54 जिलों में एक्टिव संक्रमण है। अपर मुख्य सचिव ने बताया कि संक्रमित पुरूषों की संख्या 77.5 प्रतिशत जबकि महिलाओं की संख्या 22.5 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग मजबूती से काम कर रहा है और संक्रमण की वृद्धि दर काफी कम है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री योगी अदित्यनाथ ने कहा है कि जहां आवश्यकता हो, मरीज को आक्सीजन बेड पर भेजा जाए और वृद्ध मरीजों को बेहतर सुविधा प्रदान की जाए। जब बेड की क्षमता ज्यादा है तो मरीज को अच्छी से अच्छी सुविधा मिले, इससे मरीज को बचाने में फायदा मिलेगा।

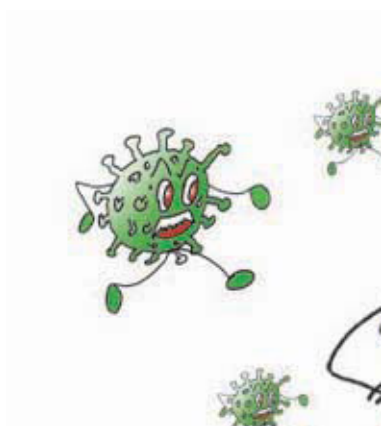

यूपी के कामगार धैर्य बनाए रखें, हम सबको वापस लाएंगे–योगी

लखनऊ । लॉक डाउन के कारण दूसरे राज्यों में फंसे उत्तर प्रदेश के कामगारों और मजदूरों से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ में भावुक अपील करते हुए गुरुवार को कहा कि वे सब्र रखें और सरकार उन्हें उनके घर तक पहुंचाने की विस्तृत कार्य योजना तैयार कर रही है। श्रमिकों को घर वापस लाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने संबंधित सभी राज्यों को पत्र लिखकर उनका नाम, पता, मोबाइल नंबर और मेडिकल रिपोर्ट समेत विस्तृत विवरण मांगा है।

गृह विभाग के प्रमुख सचिव अवनीश अवस्थी ने बताया कि मुख्यमंत्री ने कोरोना महामारी के मद्देनजर गठित 'टीम–11' के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक के दौरान सभी राज्यों में फँसे उत्तर प्रदेश के कामगारों और श्रमिकों से भावुक अपील की। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन कामगारों ने अभी तक जिस धैर्य का परिचय दिया है, उसे बनाए रखें। संबंधित राज्यों की सरकारों से संपर्क कर सभी को घरों तक सुरक्षित पहुँचाने की विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जा रही है, इसलिए वे जहां हैं वहीं रहें। संबंधित राज्य सरकारों के संपर्क में रहें और कतई पैदल ना चलें। उन्होंने कहा कि श्रमिकों को घर वापस लाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने संबंधित सभी राज्यों को पत्र लिखकर उनका नाम, पता, मोबाइल नंबर और मेडिकल रिपोर्ट समेत विस्तृत विवरण मांगा है।

अपर मुख्य सचिव ने बताया कि दूसरे राज्यों से आने वाले कामगारों और श्रमिकों को उनके घरों तक सुरक्षित पहुँचाने की प्रक्रिया में मुख्यमंत्री योगी ने राजस्व विभाग से छह लाख लोगों के लिए क्वारंटीन सेंटर, शेल्टर होम और कम्युनिटी किचेन तैयार कराए हैं। उन्होंने बताया कि गुरुवार को मध्य प्रदेश में फंसे उत्तर प्रदेश के कामगारों और श्रमिकों को वापस लाया जाएगा जबकि कल गुजरात से ऐसे लोगों को लाने का काम किया जाएगा। हरियाणा से 13 हजार लोगों को भी लाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि नोएडा के साथ दिल्ली से भी उत्तर प्रदेश के छात्र–छात्राओं को वापस लाने के लिए वहां की सरकार से सम्पर्क किया जाए। नोएडा, गाजियाबाद तथा अलीगढ़ से प्रदेश के विभिन्न जनपदों में वापस जाने वाले छात्रों की सूची तैयार करायी जाए और इन छात्रों का स्वास्थ्य परीक्षण कराते हुए उन्हें घर भेजने की व्यवस्था की जाए। इन जिलों में पढ़ रहे अन्य राज्यों के छात्रों की सूची तैयार करते हुए इन्हें उनके गृह राज्य वापस भेजने के लिए सम्बन्धित प्रदेश सरकार से सम्पर्क किया जाए। इस कार्यवाही को सम्पन्न करने के लिए एक कार्य योजना तैयार की जाए।

उन्होंने बताया कि सरकार ने इससे पहले दिल्ली से 28 व 29 मार्च को चार लाख लोगों को सुरक्षित उनके घर तक पहुँचाया। हरियाणा और राजस्थान से भी 50 हजार लोगों को घरों तक पहुँचाया गया है। उन्होंने बताया राजस्थान के कोटा में फँसे उत्तर प्रदेश के 11,500 छात्र–छात्राओं को भी योगी सरकार सुरक्षित घरों तक पहुँचा चुकी है। इसके अलावा प्रयागराज से प्रदेश के विभिन्न जिलों के 15 हजार छात्रों को भी घरों तक पहुंचाया जा चुका है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि यह सुनिश्चित किया जाए कि नेपाल राष्ट्र सहित अन्य राज्यों से बगैर अनुमति कोई प्रदेश में आने न पाये। उन्होंने कहा कि 10 लाख लोगों के लिए तत्काल क्वारंटीन सेन्टर, शेल्टर होम तथा कम्युनिटी

किचन तैयार किये जाएं, जहां आने वाले प्रवासी मजदूरों को तात्कालिक रूप से रखा जा सके। क्वारंटीन सेन्टर, शेल्टर होम स्थापना के लिए बड़े कॉलेजों का उपयोग किया जाए। इनमें कम्युनिटी किचन, शौचालय व सुरक्षा सहित सभी जरूरी सुविधाएं जरूरी होनी चाहिये।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अतिरिक्त वेंटिलेटर्स की तात्कालिक आवश्यकता होने पर पोर्टेबल वे. टिलेटर्स मंगाए जाएं। सभी जिलों में इन्फ्रा–रेड थर्मामीटर उपलब्ध कराए जाएं, ताकि प्रवासी श्रमिकों की सुगमता से जांच की जा सके। एल–2 अस्पताल में हर बेड पर आक्सीजन तथा एल–3 चिकित्सालय में प्रत्येक बेड पर वेंटिलेटर की व्यवस्था होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा है कि कोविड–19 का उपचार करने में सक्षम निजी चिकित्सालयों को उपचार की अनुमति दी जाए। अगर कोई रोगी ऐसे अस्पतालों में अपना इलाज कराना चाहता है तो उसके लिखित अनुरोध पर प्राइवेट, कार्पोरेट चिकित्सालय में इलाज की स्वीकृति दी जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि टेस्टिंग के लिए प्रदेश में उपलब्ध समस्त संसाधनों का उपयोग किया जाए। इसके दृष्टिगत पं. दीन दयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गौ–अनुसंधान संस्थान, मथुरा तथा लखनऊ स्थित केन्द्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान (सीडीआरआई), भारतीय विष विज्ञान अनुसंधान संस्थान (आईआईटीआर) तथा बीरबल साहनी पुराविज्ञान संस्थान (बीएसआईपी) जैसे उच्चस्तरीय शोध संस्थानों की टेस्टिंग क्षमता का उपयोग करने पर विचार किया जाए।

उन्होंने कहा कि जनपद सहारनपुर में एक लैब क्रियाशील की जानी चाहिए। प्रत्येक मण्डल मुख्यालय पर टेस्टिंग लैब स्थापित होनी चाहिए। प्रयास यह होना चाहिए कि आगामी एक सप्ताह में उत्तर प्रदेश टेस्टिंग क्षमता की दृष्टि से देश का अव्वल राज्य बन जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आयुष के चिकित्सकों, नर्सिंग तथा पैरामेडिकल के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाए, ताकि आवश्यकता पड़ने पर इनकी सेवाएं भी प्राप्त की जा सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश के एल–1, एल–2 तथा एल–3 कोविड चिकित्सालयों में 52 हजार बेड की व्यवस्था करते हुए, इसे चरणबद्ध रूप से बढ़ाकर 01 लाख बेड किया जाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड–19 महामारी के कारण आर्थिक गतिविधियां प्रभावित हुई हैं, इसलिए राजस्व के वैकल्पिक स्रोतों में वृद्धि करनी पड़ेगी। इसके मद्देनजर फ्री–होल्ड की कार्यवाही की जाए। इसके लिए एक समिति गठित कर इस काम को तेजी प्रदान की जाए। उन्होंने 'कैश फ्लो' में वृद्धि के लिए योजना बनाकर कार्यवाही किये जाने पर भी बल दिया और कहा कि निवेश बढ़ाने के लिए आकर्षक नीति तैयार की जाए। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिये हैं कि अनाज के हर गोदाम के साथ–साथ राशन की हर दुकान पर भी एक–एक अधिकारी की तैनाती की जाए, जो यह सुनिश्चित करे कि वहां सोशल डिस्टेंसिंग का पूरी तरह पालन हो तथा किसी भी दशा में घटतौली न होने पाए। उन्होंने कहा कि मण्डी पूरे दिन खुली रहे, जिससे वहां भीड़ एकत्र न होने पाये

रात के अंधेरे में कोरोना संदिग्ध बहू को पोते संग मायके में छोड़कर भागे सुसरालवाले

नोएडा । ग्रेटर नोएडा के दनकौर कोतवाली के पारसौल गांव में कोरोना संदिग्ध युवती को ससुराल वालों पर रात के समय मायके में छोड़कर भागने का आरोप है। गांव वालों को जब इसकी जानकारी हुई तो उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को इसकी सूचना दी। गांव वालों की शिकायत पर युवती और 4 साल के बच्चे सहित परिवार के 4 लोगों को क्वारंटाइन सेंटर भिजवाया गया है। पारसौल गांव निवासी एक युवती की बुलंदशहर के अकबरपुर गांव में शादी हुई थी। युवती लॉकडाउन के दौरान बीमार हो गई। ससुराल वाले कार में युवती को लेकर रात के समय पारसौल गांव आए और घर के बाहर युवती को छोड़कर चले गए। जब ग्रामीणों को इसका पता चला तो उन्होंने तुरंत पुलिस और स्वास्थ्य विभाग को इसकी सूचना दी।

स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची और संदिग्ध युवती उसके बच्चे और परिवार के अन्य दो लोगों को क्वारंटाइन सेंटर भेज दिया। गाजियाबाद निवासी व्यक्ति की गांव में ससुराल है। उसकी पत्नी काफी दिनों से लॉकडाउन के चलते मायके में ही रह रही थी। युवक गाजियाबाद से साइकिल लेकर ससुराल के लिए निकल पड़ा। जैसे ही गांव वालों को युवक के ससुराल आने की खबर लगी, तभी ग्रामीणों ने पुलिस को इसकी सूचना दे दी। सूचना पर पुलिस भी पहुंच गई और दर्जनों ग्रामीणों ने गांव में आ रहे दामाद को भगा दिया।

थाना फेस 3 के पृथला के पास सड़क के किनारे मंगलवार शाम एक 6 दिन की बच्ची झाड़ियों में पड़ी मिली। बच्ची के रोने की आवाज सुनकर लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। इस मौके पर पहुंचकर पुलिस ने बच्ची को नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया है। पृथला गांव के पास सड़क के किनारे झाड़ियों में मंगलवार शाम करीब 6:30 बजे एक 6 दिन की नवजात बच्ची के पड़े होने की सूचना पुलिस को मिली। बच्ची के रोने की आवाज सुनकर लोगों ने नवजात को वहां से उठाया। थाना फेस 3 एसएचओ अमित सिंह ने बताया कि बच्ची को पहले नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहां डॉक्टरों ने इलाज के बाद नवजात बच्ची को स्वस्थ पाया। एसएचओ ने बताया कि कागजी कार्रवाई के बाद बच्ची को चाइल्ड लाइन को सौंप दिया गया है।

सीएम ने किया कोविड–19 पीसीआर टेस्टिंग लैब का ऑनलाईन लोकार्पण

देहरादून, 30 अप्रैल। मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने गुरुवार को वीर चंद्र सिंह गढ़वाली मेडिकल कॉलेज, श्रीनगर में कोविड–19 पीस. पीआर टेस्टिंग लैब का ऑनलाईन लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री रावत ने कहा कि श्रीनगर मेडिकल कॉलेज में कोरोना टेस्टिंग लैब से पौड़ी,

रुद्रप्रयाग, चमोली एवं टिहरी जनपद जनपदों के लोगों के सैंपल लेने में आसानी होगी। अल्मोड़ा एवं हरिद्वार में भी जल्द टेस्टिंग लैब बनाई जाएगी। अब प्रदेश में कोरोना के सैंपल लेने में और तेजी आएगी। उन्होंने कहा कि आज से श्रीनगर में सैंपल टेस्ट होने शुरू हो गए हैं। श्रीनगर मेडिकल कॉलेज में प्रतिदिन 100 से अधिक सैंपलों की टेस्टिंग होगी। अभी तक प्रदेश में 5602 सैंपलों की रिपोर्ट आ चुकी है जिसमें 55 लोग कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे,

पुलिसकर्मियों पर हमला करने वाले 5 गिरफ्तार, 10 हिरासत में

कानपुर (ईएमएस)। जिले के बजरिया थाने के गुलाब घोसी मस्जिद इलाके में कोरोना वायरस से संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आए व्यक्तियों को लेने गए पुलिसकर्मियों और स्वास्थ्यकर्मियों पर हमले के मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इन लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों के खिलाफ आपदा प्रबंधन कानून के अलावा भारतीय दंड संहिता की सुसंगत धाराओं, गैंगस्टर एक्ट तथा रासुका के तहत कार्रवाई की जाएगी। आदित्यनाथ ने कहा ?कि कानपुर में कुछ लोगों ने दुस्साहस किया और मैं पुलिसकर्मियों को बताना चाहता हूं कि जिन लोगों ने पुलिसकर्मियों और स्वास्थ्यकर्मियों पर हमला किया है, उनकी पहचान होनी चाहिए और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिये।

छात्र से दुष्कर्म के आरोप में मदरसा संचालक गिरफ्तार

बलिया । जिले के सिकंदरपुर क्षेत्र में 14 वर्षीय किशोर से दुष्कर्म के मामले में बृहस्पतिवार को एक मदरसा संचालक को गिरफ्तार किया गया। जानकारी के मुताबिक सिकंदरपुर क्षेत्र के रहने वाले 14 वर्षीय मदरसा छात्र से दुष्कर्म के आरोप में मदरसे के संचालक वाजिद अली उर्फ मंजिल को गिरफ्तार किया गया है। वाजिद अली पर आरोप है कि वह मदरसा छात्र से पिछले करीब दो माह से दुष्कर्म कर रहा था और अंतिम बार 23 अप्रैल को भी ऐसी हरकत की थी। मना करने पर वह जान से मारने की धमकी देता था। किशोर के पिता की शिकायत पर कल मदरसा संचालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर बृहस्पतिवार को उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत

गोण्डा । जिले के धानेपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत रेतवागाडा के मजरा ठाकुर दास पुरवा निवासी किरण देवी (25) पत्नी अमित कुमार की बुधवार को संदिग्ध परिस्थितियों में जलकर मौत हो गई। घटना की सूचना पाकर पुलिस एवं प्रषासनिक अधिकारियों ने शव का पंचनामा करवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेजवाया। पुलिस ने मायके वालों को सूचना दे दी गई है। पोस्ट मार्टम रिपोर्ट के आधार पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

दलित किशोरी से बलात्कार के आरोप में युवक गिरफ्तार

चित्रकूट (ईएमएस)। जिले के पहाड़ी क्षेत्र के एक गांव में 16 वर्ष की एक दलित किशोरी से बलात्कार के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार कर लिया है। चित्रकूट के पुलिस अधीक्षक अंकित मित्तल ने बृहस्पतिवार को बताया कि 16 साल की अनुसूचित जाति की लड़की के साथ एक माह तक बलात्कार करने के आरोपी युवक नन्दू उर्फ कामता आरख (24) को गिरफ्तार कर लिया गया है। पहाड़ी थाना में दर्ज की गई रिपोर्ट के मुताबिक लड़की अपनी बड़ी बहन के साथ बुधवार को थाने आयी और आरोप लगाया कि एक माह पूर्व गांव का युवक नन्दू उर्फ कामता आरख ने उसे धोखे से नशीला पदार्थ पिलाकर उससे बलात्कार किया। फिर ब्लैकमेल कर एक माह तक कई बार बलात्कार किया। किशोरी की शिकायत पर आरोपी युवक के खिलाफ बलात्कार, जान से मारने की धमकी देने, पॉक्सो अधिनियम और एससीएसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

बेगूसराय में भतीजी ने अपने चाचा को उतारा मौत के घाट

बेगूसराय । बेगूसराय मे अवैध संबंधों चलते हत्याकांड को अंजाम दिया गया है। इस मामले को 25 अप्रैल की रात को अंजाम दिया गया था। मामले की जांच के बाद बेगूसराय पुलिस ने खुलासा कि इस आरोप में एक छात्रा समेत चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। क्योंकि इस हत्याकांड को अवैध संबंध का विरोध करने पर छात्रा के साथ मिलकर ट्यूशन टीचर और उनके दो साथियों ने अंजाम दिया था। इस संबंध में डीएसपी कुंदन कुमार सिंह ने बताया कि हत्या के बाद पूरे मामले का खुलासा कर लिया गया है। पूरी घटना अवैध संबंध का विरोध करने के कारण अंजाम दिया गया था। डीएसपी ने बताया कि मृतक मिथिलेश कुमार की चचेरी भतीजी को गांव का ही एक शिक्षक अमृत कुमार ट्यूशन पढ़ाता था। इस दौरान दोनों में प्रेम हो गया और दोनों के बीच अवैध संबंध बन गया था। इस अवैध संबंध का विरोध अक्सर मृतक किया करता था। इसी से नाराज शिक्षक अमृत कुमार ने मिथिलेश को बुलाया और खेत में गमछा से गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। दरअसल जांच के दौरान पुलिस ने हत्या में प्रयोग किया हुआ गमछा और मृतक का मोबाइल भी बरामद कर लिया गया है। फिलहाल पुलिस मामले की आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दिशा पाटनी ने शेयर की बोल्ड तस्वीर

एक्ट्रेस दिशा पाटनी हाल ही में अपने इंस्टाग्राम एकाउंट पर एक बोल्ड फोटो शेयर की। इस तस्वीर पर उन्हें जबरदस्त रिएक्शन मिल रहे हैं। बता दें कि दिशा पाटनी भले ही मीडिया के सामने शर्मीली नजर आती हैं लेकिन वो सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। दिशा ने हाल ही में जिस बोल्ड अवतार में सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीर शेयर की है, उसने फैंस को क्रेजी कर दिया है। दिशा आए दिन अपने सोशल एकाउंट पर अपनी बिकिनी फोटोज शेयर करती रहती हैं। ये फोटो दिशा पाटनी की फिल्म 'मलंग' के सेट पर क्लिक की गई थी। इस तस्वीर में फैंस दिशा की मुस्कान और बोल्ड अवतार को देखने के बाद इंटरनेट पर उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं। इस तस्वीर को अब तक 14 लाख से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं, वहीं, 7000 से ज्यादा लोग कॉमेंट कर चुके हैं। फिल्म 'मलंग' मोहित सूरी के निर्देशन में बनी हैं। इस फिल्म में दिशा पाटनी के अलावा आदित्य रॉय कपूर, अनिल कपूर और कुणाल खेमू जैसे कई कलाकार मुख्य भूमिका में नजर आए थे।

शबाना आजमी कर रहीं गरीबों की मदद

देशभर में कोरोना वायरस के कारण लागू लॉकडाउन में गरीबों की मदद के लिये हर कोई आगे आ रहा है। इस बीच बॉलिवुड सिलेब्स लोगों की मदद के लिए दिल खोलकर आगे आ रहे हैं। लोगों को जागरूक करने से लेकर मदद करने तक सिलेब्स कई कदम उठा रहे हैं। इस बीच अब शबाना आजमी भी आगे आई हैं। इस दौरान उन्होंने 10 लाख से ज्यादा लोगों को राशन और जरूरत का सामान पहुंचाया है। दरअसल, लॉकडाउन के बीच कामकाज ठप है। ऐसे में कई घरों में राशन तक की व्यवस्था नहीं हो पा रही। ऐसे में शबाना आजमी ने एक्शन इंडिया की मदद से 10 लाख से ज्यादा लोगों तक राशन, बना हुआ खाना और सैनिटेशन का सामान पहुंचाया है। शबाना ने ट्वीट करके इस बारे में जानकारी दी है। बता दें कि इससे पहले शाहरुख खान, अक्षय कुमार, आमिर खान सलमान खान, सोनू सूद, प्रियंका चोपड़ा, करीना कपूर, कार्तिक आर्यन, विद्या बालन सहित कई स्टार्स लोगों की मदद के लिए आगे आ चुके हैं।

सारा अली अपने सपनों की रानी' हमेशा से रही

बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान ने हाल में अपने बचपन के दिनों की एक मनमोहक तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर की। जिसमें जिसमें वह आभूषण और मेकअप में बहुत खूबसूरत दिखाई दे रहीं हैं। उन्होंने शेयर तस्वीर को कैप्शन देते हुए लिखा कि ष्मेरे सपनों की रानी. .हमेशा मैं ही थी।ष इंस्टाग्राम पर सारा की नई तस्वीर को वर्तमान में 1.4 मिलियन से अधिक लोगों ने पसंद किया है। सारा की दोस्त और अभिनेत्री अनन्या पांडे ने टिप्पणी की, ष्मुझे कैप्शन बहुत पसंद आया।ष बता दें कि सारा सोशल सोशल मीडिया पर नियमित पोस्ट से अपने प्रशंसकों का मनोरंजन करती रहती हैं। हाल ही में, उन्होंने अपने भाई इब्राहिम अली खान के साथ बाहर काम करते हुए अपनी एक तस्वीर शेयर किया था।

लीजा को खूबसूरत लगा लेडी गागा का कॉन्सर्ट

गायिका लीजा मिश्रा ने कोविड–19 राहत कोष के लिए सुपरस्टार लेडी गागा के कॉन्सर्ट 'वन वल्र्ड : टूगेदर एट होम' में शामिल होने का अनुभव को बेहद खूबसूरत बताया है। उन्होंने कहा कि इससे उन्हें यह महसूस हुआ कि किसी समस्या से दुनिया को ठीक करने में संगीत की भूमिका कितनी अहम है। लीजा ने इस बारे में बताया, ष्यह बेहद खूबसूरत रहा। स्वास्थ्य विभाग के कर्मियों का उत्साहवर्धन करने के लिए आयोजित एक फ्री कॉन्सर्ट, जिसे घर पर रहकर देखा जा सकता था और इसका मकसद इन कर्मियों की सुरक्षा के लिए पैसे जुटाना था, जो सामने से आकर इस आपदा से लड़ रहे हैं।ष उन्होंने आगे कहा कि ष्इसने मुझे इस बात का एहसास कराया कि दुनिया को ठीक करने में संगीत कितना महत्वपूर्ण है। यह एक अनिश्चित समय है और दुख व बैचेनी की घड़ी में से होकर भलीभांति गुजरने के लिए संगीत के प्रति मेरा झुकाव हमेशा से ही अधिक रहा है। मेरा यह मानना है कि बाकी दुनिया भी मेरी ही तरह महसूस करती है।ष

प्रोटीन हमारी बॉडी के हर पार्ट के लिए जरूरी –शरीर को हर दिन चाहिए इतना प्रोटीन

नई दिल्ली । एक्सपर्ट की माने तो प्रोटीन हमारी बॉडी के लगभग हर पार्ट के लिए जरूरी होता है। यह हमारी स्किन सेल्स और बॉडी सेल्स के निर्माण में तो मदद करता ही है साथ ही, मेमॉरी सेव करने और डायजेशन को दुरुस्त रखने में भी मदद करता है। प्रोटीन अमीनो एसिड से बनता है। अमीनो एसिड 20 तरह के होते है, जो हमें फ्रूट्स, वेजिटेबल्स, एग्स, मीट, आदि से मिलते हैं। दालें और ड्राई फ्रूट्स भी प्रोटीन से भरपूर होते हैं। इसलिए इनका हमारी डेली डायट में शामिल होना बेहद जरूरी है। प्रोटीन का निर्माण अलग–अलग तरह के अमीनो एसिड्स से मिलकर होता है। ये अलग–अलग तरह के अमीनो एसिड्स अलग–अलग तरह का प्रोटीन बनाते हैं। यानी प्रोटीन भी किसी एक प्रकार का नहीं होता, इसके भी कई टाइप होते हैं। जो हमें अलग–अलग फूड्स के जरिए मिलते हैं। प्रोटीन हमारे शरीर में मैसेंजर की तरह काम करता है।

यह शरीर में आने वाले वायरस और बैक्टीरिया को पहचानने वाली सेल्स के निर्माण से लेकर इम्युनिटी सेल्स तक इन वायरस के अटैक की जानकारी पहुंचाने तक हर क्रिया में शामिल होता है। प्रोटीन हमारी याददाश्त को बनाए रखने में मदद करता है। जैसा कि हमने ऊपर बताया कि प्रोटीन कई प्रकार का होता है और शरीर के अलग–अलग हिस्सों में अलग तरह से काम करता है। बात जब ब्रेन की आती है तो प्रोटीन मेमरी स्टोरेज में महत्वपूर्ण रोल अदा करता है।

प्रोटीन हमारे पाचन तंत्र को दुरुस्त बनाए रखता है। इससे हमारा पेट साफ रहता है और रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि होती है। खासतौर पर एक नवजात बच्चे के लिए मां का पहला दूध जीवनदायिनी औषधि की तरह होता है। क्योंकि यह दूध प्रोटीन से भरपूर होता है, जो नवजात शिशु के शरीर को रोगों से लड़ने की क्षमता देता है। –बच्चों में प्रोटीन की कमी के कारण मेंटल रिटार्डेशन भी हो सकता है। इसलिए बच्चों की डायट प्रोटीन रिच होना बेहद जरूरी है। अगर यहां बताए गए लक्षणों में कोई भी दिक्कत आपको बच्चे में नजर आती है तो उसे तुरंत डॉक्टर को दिखाएं। साथ ही प्रोटीन रिच डायट के बारे में पूरी जानकारी हासिल करें। यहां बता दें कि प्रोटीन से भरपूर डायट लेने की सलाह हम सभी को दी जाती है लेकिन कम ही लोग जानते हैं कि हर दिन हमारे शरीर को कितना प्रोटीन चाहिए होता है। प्रोटीन के बेस्ट सोर्स क्या हैं? प्रोटीन हमारे शरीर में किस तरह उपयोग होता है।

कोविड–19 मरीज के साथ करीबी संपर्क में आने वाले सभी को कोरोना का खतरा नहीं

नई दिल्ली । कोरोना पीडितों के नजदीकी संपर्क में आने वालों को संक्रमण का डर ज्यादा रहता है। इस पर अध्ययन पहली बार सामने आया है कि, यह खतरा कितना अधिक है। इससे पता चलता है कि सबसे ज्यादा खतरा घर में साथ रहने, भोजन करने और सफर करने वालों को हो सकता है। दूसरा, नजदीकी संपर्क में आए सभी लोगों को संक्रमण की आशंका नहीं है। लांसेट में प्रकाशित एक शोध में यह दावा किया है। यह शोध शेनजेन (चीन) स्थित सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल (सीडीसी) ने 14 जनवरी से 12 फरवरी के बीच किया। इस दौरान शेनजेन में कोरोना के 391 संक्रमित पाए गए थे। इन लोगों के नजदीकी संपर्कों की सूची बनाकर उनकी जांच की गई। सीडीसी ने शोध के दौरान नजदीकी संपर्क में आए लोगों को 3 श्रेणियों में रखा। पहली श्रेणी में वे लोगों थे जो संक्रमित व्यक्ति के साथ घर में रहते थे। दूसरी श्रेणी में वे नजदीकी संपर्क रखे गए, जिन्होंने संक्रमित व्यक्ति के साथ यात्रा की, जबकि तीसरी श्रेणी में ऐसे लोग जिन्होंने संक्रमित के साथ भोजन किया था। रिपोर्ट के अनुसार, 686 ऐसे नजदीकी संपर्क थे जो संक्रमितों के साथ एक घर में रहते थे। इनमें से 77 व्यक्ति यानी 11.2 फीसदी लोग संक्रमित निकले। 318 व्यक्ति जो यात्रा के दौरान संपर्क में आए थे, उनमें से 18 यानी 5.7 फीसदी कोरोना पॉजिटिव निकले। साथ ही, भोजन करने वाले 707 में से 61 लोगों को कोविड संक्रमण पाया गया, यानी 8।6 फीसदी लोग इस दौरान संक्रमित हुए। इन तीनों श्रेणियों के संक्रमण की दर को मिला लिया जाए तो यह 25.5: के करीब होती है। कोरोना को लेकर जिस प्रकार भय का माहौल है, उससे ये आंकड़े राहत देते हैं लेकिन विश्व के हर हिस्से में यह दर अलग–अलग यानी इससे कम या ज्यादा भी हो सकती है।

वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज में कम्युनिटी विभाग के निदेशक डॉ.जुगल किशोर का कहना है कि यह ठीक है कि साथ रहने वालों में संक्रमण की दर सर्वाधिक है लेकिन इसमें कई और कारक भी काम करते हैं। मसलन, एक घर में लोग कितनी जगह में रहते हैं या कितनी संख्या में रहते हैं। उन लोगों को पहले से कोई बीमारी तो नहीं है, उनमें ज्यादा आयु के लोग तो नहीं हैं आदि। दूसरे घर के भीतर किसी बीमारी की 11.2: संक्रमण दर भी ज्यादा ही है। बुखार, सूखी खांसी, थकान–कमजोरी और सांस लेने में तकलीफ, सीने में दर्द और नींद से जागने पर भ्रम की स्थिति आदि को संक्रमण का स्पष्ट संकेत माना गया है। इसके अलावा खराश, सिरदर्द, कंपकंपी, मांसपेशियों में तनाव और मुंह का स्वाद बिगड़ने या सूंघने की क्षमता जैसे लक्षण भी हाल में शामिल किए हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गहलोत सरकार ने जीपीएफ और सीपीएफ की ब्याज दरें घटाई

जयपुर । देशभर में कोरोना संकट में लॉकडाउन के चलते आर्थिक गतिविधियां ठप हैं। ऐसे में राजस्व प्राप्ति में काफी कमी होने से आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है। इसे देखते हुए राज्य सरकार ने कार्मिकों की जीपीएफ और सीपीएफ की जमा राशि पर मिलने वाले ब्याज दर में कटौती करने की घोषणा की है। दरअसल, इस बारे में वित्त विभाग की ओर से आदेश जारी किया गया है। इस आदेशानुसार, जीपीएफ और सीपीएफ के तहत जमा राशि पर मिलने वाली ब्याज दर में 0.8 फीसदी की कटौती की गई है। इस कटौती से कार्मिकों को झटका लगा है। सरकार ने ब्याज दर घटाकर 7.1 फीसदी कर दी है। हालांकि पहले ये ब्याज दर 7.9 फीसदी थी। बता दें कि ब्याज दरों में यह कटौती एक अप्रैल 2020 से लेकर 30 जून 2020 के लिए की गई है। सरकार की चिंता यह है कि लॉकडाउन की वजह से उसके खाते में दो हजार करोड़ रुपए कम आ रहे हैं। दूसरी तरफ, उसे वेतन और पेंशन के मद में 5187 करोड़ रुपए की व्यवस्था करनी है। हालांकि, पिछले महीने सरकार ने कर्मचारियों के वेतन में 30 फ़ीसदी कटौती कर दी थी। इस बार भी वेतन कटौती के प्रस्ताव तैयार किए जा रहे हैं। बता दें कि कोरोना लॉकडाउन के दौरान सरकार की आय में हई गिरावट के कारण इसकी भरपाई के कई तरह के प्रयास किए जा रहे हैं। इसके तहत सरकर अप्रैल और मार्च माह में पेट्रोल व डीजल की वैट दरों में दो बार बढ़ोतरी कर चुकी है। वहीं सरकार ने अतिरिक्त आबकारी शुल्क को भी बढ़ा दिया है।

नागौर में प्रवासी मजदूरों ने पुलिस पर किया पथरावत

नागौर । राजस्थान के नागौर में स्थित अंबुजा सीमेंट कंपनी के प्लांट के सैकड़ों मजदूरों ने पुलिस पर पथराव किया है। दरअसल, यह मजदूर घर जाने की मांग कर रहे थे। संतोषजनक जवाब नहीं मिला तो मजदूर उग्र हो गए और पुसिल पर हमला कर दिया। बता दें कि लॉकडाउन के कारण ये मजदूर फैक्ट्री में ही फंसे हुए हैं और पिछले कई दिनों से इन मजदूरों द्वारा घर वापसी की मांग की जा रही है। मगर, 3 मई के बाद लॉकडाउन बढ़ने की संभावना को देखते हुए मजदूरों का आक्रोश फूट पड़ा। इस दौरान गुस्साए मजदूरों ने समझाईश कर रहे पुलिसकर्मियों व सुरक्षाकर्मियो पर पत्थरबाजी कर दी। इस दौरान कई पुलिस कर्मियों व सुरक्षा कर्मियों के चोटें भी आई हैं। पत्थरबाजी में कई वाहन भी क्षतिग्रस्त हुए हैं। घटना की गंभीरता को देखते हुए आसपास के चार थानों की पुलिस को तैनात किया गया। मजदूरों को समझाने के साथ ही उन्हें सकुशल घर भेजने का आश्वासन भी दिया गया, पर भीड़ बेकाबू होने के कारण अफरा–तफरी मची रही। इसके बाद पुलिस ने उच्चाधिकारियों को इसकी जानकारी दी, जिसके बाद एसपी डॉ. विकास पाठक सहित उच्चाधिकारी मौके पर पहुंचे और मजदूरो से समझाईश शुरू की है। बताया गया कि सीमेंट कंपनी में काम करने वाले मजदूर अलग–अलग राज्यों के हैं, जिनको घर भेजने के लिए जिला कलेक्टर दिनेश कुमार यादव व पुलिस अधीक्षक डॉ. विकास पाठक ने आश्वासन दिया और कहा कि उन्हें शीघ्र घर भेजने के लिए सरकार के आला अधिकारियों को अवगत कराया जाएगा।

5 हजार श्रमिक पहुंचे राजस्थान–श्रम मंत्री

जयपुर । मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के अथक प्रयासों से देश के विभिन्न राज्यों में काम कर रहे श्रमिकों को लाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। श्रम मंत्री श्री टीकाराम जूली ने बताया कि अब तक राजस्थान के लगभग 5 हजार श्रमिकों को प्रदेश लाया जा चुका है एवं शेष को लाने का कार्य प्रक्रियाधीन है। राज्य सरकार द्वारा प्रवासियों को लाने के लिए कॉल सेंटर स्थापित कर रजिस्ट्रेशन भी चालू कर दिया है।

श्रम मंत्री जूली ने बताया कि अभी तक गुजरात राज्य से 4082, मध्य प्रदेश से 400 एवं असम से 400 श्रमिकों को प्रदेश लाकर उन्हें गंतव्य स्थान तक पहुंचाया जा चुका है। शेष राज्यों से हमारे श्रमिकों को लाने के लिए सहमति बन चुकी है। श्रम मंत्री जूली ने बताया कि भारत के विभिन्न राज्यों में काम कर रहे प्रवासी श्रमिकों को प्रदेश लाने का कार्य प्रारंभ है एवं जल्द ही उन्हें उनके गंतव्य स्थान तक पहुंचा दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश में काम कर रहे देश के विभिन्न राज्यों के श्रमिकों को भी उनके राज्य में भिजवाने का कार्य चालू कर दिया है।श्रम मंत्री श्री जूली ने बताया कि प्रवासी श्रमिकों को लाने,खाने–पीने, स्वास्थ्य जांच एवं काउंसलिंग संबंधित सभी कार्य राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे हैं।

गौपालन मंत्री भाया ने लोगों को अपने हाथो से लिया काढा

जयपुर । आयुर्वेद भारतीय चिकित्सा विभाग की प्राचीन व अनमोल धरोहर है। इस आयुर्वेद पद्वति से ईलाज सदैव कारगर होता रहा है। भारतीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा कोरोना वायरस से बचाव के लिए रोग प्रतिरोधक शक्ति बढाने वाले इस काढे का वर्तमान में जन–जन का उपयोग करना चाहिए। राज्य के खान एवं गौपालन मंत्री प्रमोद जैन भाया ने बारां व्यापार महासंघ की ओर से चलाए जा रहे आरोग्य काढा वितरण अवसर पर उपस्थित लोगों को काढा पीने के लिए प्रेरित किया।

अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के तत्वाधान में किए गए काढा वितरण में मंत्री प्रमोद जैन भाया ने एक घण्टे से अधिक समय रूककर अपने हाथो से काढा वितरण किया। महासंघ अध्यक्ष ललितमोहन खंडेलवाल, युवा महासम्मेलन अध्यक्ष पीयूष गर्ग, उपाध्यक्ष गौरव गुप्ता ने काढा वितरण में हाथ बंटाया। लगातार तीसरे दिन चल रहे काढा वितरण कार्यक्रम में आज अलग–अलग टीमों द्वारा मोहल्ले में घर–घर जाकर काढे का सेवन करवाया गया। कारागार में सजायाप्ता 200 से अधिक कैदियों को आरोग्य काढे का सेवन करवाया। आदि ने घर–घर जाकर सैकडों परिवारों को काढे का वितरण किया।

प्रवासी श्रमिकों को जिला प्रशासन ने पहुंचाया मंजिल तक

जयपुर । शेल्टर होम में रह रहे प्रवासी श्रमिको के लिए जिला प्रशासन द्वारा उनके घर पंहुचाने की प्रक्रिया शुरु कर दी गई है। लॉकडाउन में शेल्टर होम में रह रहे प्रवासी श्रमिकों के लिए जिला प्रशासन द्वारा बुधवार को मध्यप्रदेश जाने वाले श्रमिकों के लिए व्यवस्था की गई। मध्यप्रदेश जाने वाले करीब 446 श्रमिकों को जयपुर से बसों द्व ारा रवाना किया गया । इसके अतिरिक्त चौमु उपखण्ड से 90, सांगानेर उपखण्ड से 51,कोटपूतली उपखण्ड से 74, चाकसु एवं फागी उपखण्ड से 67 श्रमिको को भी बसों द्वारा मध्यप्रदेश के लिए रवाना किया गया। अतिरिक्त जिला कलक्टर (चतुर्थ) डा. अशोक कुमार ने बताया की बसो में श्रमिकों को भेजने की प्रक्रिया में सोशल डिस्टेसिंग के साथ साथ श्रमिकों के भोजन –पानी की व्यवस्थाओं का भी पूरा ध्यान रखा जा रहा है।

400 मजदूरों को कलेक्टर ने भेजा अपने गृह जिले

जौरा । प्रदेश सरकार की पहल पर कलेक्टर श्रीमती प्रियंकादास ने जौरा ब्लॉक 400 मजदूरों को हरी झण्डी दिखाकर उनके गृह जिलों के लिए रवाना किया।

जौरा विकास खण्ड के मॉडल उत्कृष्ट प्रभारी तहसीलदार कल्पना शर्मा, सीईओ आरके गौड, नायब तसहीलदार मनोज धाकड, प्रदीप केन की मौजूदगी में शासन के 400 मजदूरों को हरी झण्डी दिखाकर उनके गृह जिलों के लिए रवाना किया। इससे पूर्व सभी मजदूरों को एसडीएम नीरज शर्मा, कल्पना शर्मा द्वारा

जिलाधीश के निर्देश पर एकत्रित कर मॉडल विद्यालय में उनका स्वास्थ्य परीक्षण भी करवाया गया। वाहनों को सेनेटाइजड कराया। सभी मजदूरों को मास्क भी उपलब्ध कराये गए। साथ ही उन्हें मॉडल विद्यालय में फल एवं स्वल्पहार उपलब्ध कराकर बसों में रास्ते के लिए पानी एवं लंच के पेकिट भी उपलब्ध कराए गए। इस अवसर पर सोशल डिस्टेसिंग का विशेष ध्यान रखकर पालन यिका गया। गौरतलब है कि इस जिले में प्रतिवर्ष शिवपुरी, श्योपुर, पन्ना, ग्वालियर छतरपुर, टीकमगढ जिलों से मजदूर फसल कराई के लिए आते है लेकिन कोरोना वायरस के चलते लॉक डाउन लगने से उक्त मजदूर अपने–अपने गृह जिलों को वापिस नहीं जा सके। लिहाजा कलेक्टर के निर्देश पर स्थानीय राजस्व विभाग द्वारा उनको एकत्रित कर मॉडल विद्यालय में रखकर बसों से उन्हें कलेक्टर की उपस्थिति में घरों के लिए रवाना कर सराहनीय कार्य किया।

इनामी डाकू भारत गुर्जर ने पुलिस के सामने किया आत्मसमर्पण

जयपुर । धौलपुर जिला पुलिस के सामने 45 हजार के ईनामी डाकू भारत गुर्जर ने पचफेरा राइफ, 14 जिंदा कारतूस के साथ अपने आप को आत्मसमर्पण किया है। भारत गुर्जर पर तीन राज्यों की पुलिस की ओर से करीब 45 हजार रूपये का ईनाम घोषित किया गया था। एसपी मृदुल कच्छावा के अनुसार पिछले दो माह से धौलपुर पुलिस डाकुओं को पकडने का पकडने का विशेष अभियान चला रही थी।

डकैतों की धरपकड़ अभियान के दौरान पुलिस दो दर्जन से अधिक इनामी बदमाशों को गिरफ्तार कर चुकी है पुलिस ने पचास हजार का इनामी डकैत पप्पू गुर्जर भी गिरफ्तार किया है इसके अलावा डकैत भारत गुर्जर डकैत, केशव गुर्जर और डकैत पप्पू गुर्जर के सदस्यों को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है लेकिन डकैत भारत गुर्जर पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ था। हाल ही में पुलिस की डीएसटी टीम और बसईडांग थाना पुलिस से संयुक्त मुठभेड़ डकैतों की हुई थी, जिस मुठभेड़ में भारत गुर्जर जंगलों में फरार हो गया था. लेकिन डकैत को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस के स्पेशल थाना प्रभारियों को जिम्मा सौंपा गया था. इनमें मनियां थाना प्रभारी परमजीत सिंह, बसईडांग थाना प्रभारी कैलाश गुर्जर, बाड़ी सदर थाना प्रभारी योगेंद्र सिंह, सैपऊ थाना प्रभारी अनूप सिंह के साथ डीएसटी टीम के प्रभारी सुमन चौधरी को विशेष जिम्मा सौंपा गया था। मुखबिर की सूचना पर डकैतों को गिरफ्तार करने के लिए धौलपुर पुलिस ने घेर लिया जिससे आमने सामने की मुठभेड़ होने से डकैत भारत गुर्जर और उसके सहयोगी डकैतो ने मुठभेड़ में अपने आप को मौत के डर से घबराकर आत्मसमर्पण किया।

किशोरी को उसकी मां और चाचा ने उतारा मौत के घाट

पाली । राजस्थान के पाली में एक 16 साल की किशोरी की उसकी मां और चाचा ने मिलकर जान ले ली। दरअसल, किशोरी का एक मराठी लड़के से प्रेम प्रसंग चल रहा था। इस कारण उसकी मां और चाचा ने पहले बेटी का रस्सी से गला घोंटकर जान ले ली। उसके बाद उसके शरीर पर पेट्रोल छिड़कर आग लगा दी। इस दौरान शव पूरी तरह से नहीं जल पाया तो उसे नदी में गाड़ दिया गया। इस मामले में पाली जिले के एसपी राहुल कोटोकी ने बताया यह घटना 19 मार्च की है, जिसका पता सदर थाने के एएसआई मांगूसिंह व बीट कांस्टेबल कालूराम को मुखबिरी से अब लग पाई है। पुलिस ने 27 अप्रैल को एसडीएम रोहिताश्व सिंह तोमर की मौजूदगी में नदी में से गाड़ा हुआ शव निकलवाया और आरोपी मां सीता व उसके देवर सवाराम उर्फ शिवाराम पुत्र पुखाराम को गिरफ्तार कर लिया। एएसपी रामेश्वरलाल ने बताया कि करीब ढाई माह पहले शेषाराम की पुत्री मोहल्ले में रहने वाले एक युवक के साथ घर से भाग गई थी। परिजनों की रिपोर्ट पर मुंबई पुलिस ने उसी दिन शाम को मुंबई के दादर रेलवे स्टेशन से दोनों को पकड़ लिया और अपहरण व पॉक्सो एक्ट में आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया, जिसे जेल में पहुंचा दिया। इसके बाद युवक एक माह बाद ही जेल से जमानत पर छूट कर बाहर आया तो किशोरी उससे ही शादी करने की जिद पर अड़ गई। जिससे नाराज मां व चाचा 18 मार्च को सोनाई मांजी गांव लेकर आए। दूसरे दिन 19 मार्च की शाम को दोनों लड़की को अपने खेत पर बने लोकदेवता के थान

पर दर्शन के बहाने ले गए और उसी दौरान दोनों ने रिंकू का रस्सी से गला घोंट मारा डाला। बता दें कि एएसपी रामेश्वरलाल के निर्देशन में सीओ ग्रामीण छुगसिंह सोढ़ा व सदर थाना प्रभारी भंवरलाल पटेल की टीम ने घटना का खुलासा किया है।

सांडेराव से अपने घर की और प्रवासियों को किया रवाना प्रशासनिक अधिकारी की मौजूदगी में गाड़ियों को रवाना किया गया।

साण्डेराव :– साण्डेराव रोड़वेज बस स्टेड़ से गुरूवार को 7 अलग–अलग रोडवेज बसों के माध्यम से सुमेरपुर उपखंड क्षेत्र

सहित आस–पास ग्रामीण क्षेत्रों के प्रवासियों को मध्यप्रदेश की सीमा तक रवाना किया गया।पाली आगार व फालना आगार की सातों बसों को प्रशासन द्वारा पहले सैनिटाइजर किया गया और उसके बाद स्कैनिंग टीम के प्रभारी हसमुख सेन द्वारा एक एक व्यक्ति को स्कैनिंग करने के बाद में बस में बैठाया गया। सभी यात्रियों के नाम मोबाइल नंबर नोट कर उनको अपने क्षैत्र के लिए बस द्वारा रवाना किया गया। मौके पर उपस्थित सुमेरपुर तहसीलदार जवाहरलाल चौधरी ने बताया कि लगभग 350 प्रवासियों को अपने–अपने घरों के लिए 7 रोडवेज बसों के माध्यम से राजस्थान की अंतिम सीमा तक पहुंचाया गया। जहां पर अलग–अलग क्षेत्रों के माध्यम से मध्य प्रदेश के नयागांव झालावाड़ के आसपास क्षेत्र चवली सहित मध्य प्रदेश के आसपास क्षेत्रों के लोगों को करीब तीन सौ पचास लोगों को उनके राज्यो तक पहुँचाने के लिए रवाना किया गया। इस दौरान सुमेरपुर विकास अधिकारी नारायण सिंह राजपुरोहित, साण्डेराव थानाधिकारी धोला राम परिहार,नायब तहसीलदार ओम अमृत, भूअभिलेख निरीक्षक तोल. ाराम देवासी, फालना आगार प्रबंधक रूचि पंवार, यातायात प्रभारी गोविन्द मारू, छोटू सिंह, पाली आगार से विरेंद्र सिंह,साण्डेराव प्रधानाचार्य उमेश खॉट,विक्रम सिंह चंपावत,सुरेन्द्र सिंह राठौड़,दिनेश सिंह सिसोदिया सहित प्रशासनिक अधिकारी दिनभर व्यवस्थाओ में जुटे रहे।

हम हैं भोपालवासी–हमने लड़कर जीतना सीख लिया है

आज फिर चिरायु अस्पताल से 21 व्यक्ति हुए डिस्चार्ज

सुखद खबरों का सिलसिला जारी

भोपाल । चिरायु अस्पताल से आज 21 व्यक्ति पूर्णतः स्वस्थ होकर अपने घर की ओर रवाना हुए। इनमें से 19 व्यक्ति भोपाल से हैं तथा दो व्यक्ति इटारसी के हैं। इन सभी व्यक्तियों ने जिला प्रशासन और चिरायु अस्पताल को अपने इलाज के लिए ध न्यवाद दिया और आभार व्यक्त किया।कोरोना संक. टकालीन समय में जिला प्रशासन के बेहतर प्रबंध और चिरायु अस्पताल द्वारा मानवसेवा के अथक प्रयासो के फलस्वरूप प्रतिदिन भोपालवासी सुखद खबरों के माध्यम से तनावमुक्त और उत्साहित हो रहे है। इसी सिलसिले को जारी रखते हुए आज भी भोपाल के लिये फिर खुशियों की खबर आई है द्य

चिरायु अस्पताल के डॉक्टर गोयनका ने आज डिस्चार्ज हुए सभी व्यक्तियों को 14 दिन होम का. रंटाइम की समझाइश दी। होम कारंटाइंड की अवधि पूर्ण कर लेने के पश्चात इन व्यक्तियों से अपना प्लाज्मा डोनेट करने की अपील भी की गई। डोनेट किए गए प्लाज्मा से अन्य व्यक्तियों का प्लाज्मा थेरेपी चिकित्सा पद्धति से इलाज किया जाएगा। आज डिस्चार्ज हुए 21 व्यक्तियों में सलीम ,ननकू लोधी ,विकास सातनकर, पलक चौहान, संध्या चौहान ,शाशाद आफरीन, अंजलि चौहान अबू बकर हबी. बुल्ला,अभिषेक यादव रामनरेश किरार, कमला देवी, जावेद खान, खदीजा बी, अशफाक अहमद , स्वलेहा बी, राकेश कोरी, रश्मि, सैव्या सालान, अभिषेक गजभिए और विवेकानंद मुखर्जी शामिल है।

आज स्वस्थ होकर डिस्चार्ज हुए रामनरेश किरार ने बताया कि अस्पताल में डॉक्टर और स्टाफ का व्यवहार ने हमारा मनोबल बनाए रखा । समय पर दवाइयां और खाना दिया गया। जिला प्रशासन और चिरायु अस्पताल को धन्यवाद दिया।

सुश्री अंजलि चौहान ने बताया कि अस्पताल में उन्हें घर जैसा माहौल मिला। हमें तनावमुक्त रखने के लिए मनोरंजक गेम्स खिलाए गए। डॉक्टर और स्टाफ ने सेवा और समर्पण भाव से हमारी देखभाल की है।

डॉक्टर गोयनका के अनुसार चिरायु अस्पताल से आज तक भोपाल जिले के 209 व्यक्तियों का सफल इलाज किया जा चुका है। यहां व्यक्तियों की ऑक्सीजन साइकिल मेनटेन रखने और प्रोटीन सप्लिमेंट देने पर जोर दिया जा रहा है। इसके अलावा उन्हें तनावमुक्त रखने के लिए मनोरंजक खेल खिलाए जा रहे हैं और अच्छा संगीत सुनाया जा रहा है। उन्होंने भोपाल वासियों से अपील की कि कोरोना एक सामान्य बीमारी की तरह ही है इससे घबराने की आवश्यकता नहीं है। इसका इलाज संभव है । लॉकडाउन का पालन करने से इस संक्रमण की चेन को तोड़ा जा सकता है। हम सभी मिलकर जल्द ही

कोरोना काल में गर्भवती महिलाओं को दी गई पौष्टिक आहार सामग्री

सिंगरौली/इन्दौर । हिण्डालको महान परियोजना प्रमुख रतन सोमानी के दिश निर्देशन, मानव संसाधन प्रमुख विश्वनाथ मुखर्जी के मार्गदर्शन व सी0एस0आर0 विभाग प्रमुख यसवंत कुमार के नेतृत्व में हिण्डालको महान के सी0एस0आर0 विभाग द्वारा ग्राम ओड़गडी में गर्भवती महिलाओ को पौष्टिक आहार का वितरण किया गया।

ट्रांसफार्म सिंगरौली के तहत हिण्डालको महान के सी0एस0आर0 विभाग के द्वारा निरन्तर कुपोषण व कोरोना रहित बनाने के लिये गांवो से लेकर वनांचलो में रहने वाले आदिवासीयो तक खाद्य सामग्री व मास्क का वितरण किया जा रहा है, एवं उसके साथ–साथ गर्भवती महिलाओ को इस कोरोना काल में किस प्रकार से खूद को व अपने बच्चे को सुरक्षित रखना हैं एवं खाने–पीने का ध्यान देने व पौष्टिक भोजन ही समय–समय पर ले जिसकी जानकारी सी0एस0आर0 विभाग प्रमुख यसवंत कुमार व उनकी टीम से सौरव देवदर्षी के द्वारा लोगो को अवगत कराकर वहां अपस्थित सभी महिलाओ को पौष्टिक खाद्य सामग्री का वितरण के द्वारा किया गया।

गर्भवती महिलाओ हेतु पौष्टिक आहार के रुप में गुड़, चना, चावल, दाल, हॉरलिक्स, सेव, सुरक्षा उपकरण मास्क व साबून आदि निम्न सामग्री का वितरण कर उन्हे अपने स्वास्थ्य के साथ–साथ अपने बच्चे के स्वास्थ्य पर भी ध्यान देने की बात कही। साथ ही उन्होने यह भी बताया की इस पौष्टिक आहार के सेवन से बच्चे स्वस्थ्य व कुपोषण रहित होंगे साथ ही यह मास्क व साबून आपके लिये कोरोना काल में सुरक्षा उपकरण का कार्य करेगा। सी0एस0आर0 विभाग द्वारा आगे भी गर्भवती महिलाओं को चिन्हित कर उनको पोष्टिक आहार वितरण किया जायेगा।

नवविवाहिता ने फांसी लगाकर दी जान

बक्सवाहा । थाना अंतर्गत बम्होरी चौकी के ग्राम बेरखेरी में एक नवविवाहिता ने फांसी लगाकर मौत को गले लगा लिया है। जानकारी के अनुसार जितेंद्र पुत्र अजमेर लोधी की पत्नी कमली लोधी 21 वर्ष ने बीती शाम करी 7:15 बजे अपने घर में फांसी फंदा लगाकर जान दे दी। घटना की जानकारी पुलिस और तहसीलदार को दी गई जिसके बाद मौके पर पहुंचे तहसीलदार करण सिंह कौरव, एसडीओपी राजाराम साहू बड़ामलहरा, एसएफएल प्रभारी टीकमगढ़, बम्होरी चौकी प्रभारी राजकपूर सिंह बघेल ने पंचनामा तैयार किया। चौकी प्रभारी राज कपूर सिंह बघेल ने बताया कि मृतिका का भाई 25 अप्रैल को हरपुरा से उसे लेने आया था लेकिन घरवालों ने उसे नहीं भेजा और इसी बात से नाराज होकर कमली ने यह आत्मघाती कदम उठाया है। बहरहाल घटना की जांच बड़ामलहरा एसडीओपी राजाराम साहू कर रहे हैं।

117 मजदूरें को एसडीएम ने हरी झंडी दिखाकर अपने गृह जिलों के लिए रवाना

जौरा । प्रदेश सरकार की पहल पर पहाडगढ विकासखण्ड के सिकरौदा से 117 मजदूरों को शासन के खर्चे पर उनके गृह नगर के लिए एसडीएम नीरज शर्मा ने हरी झण्डी दिखाकर 5 बसों को रवाना किया। इस अवसर पर तहसीलदार कल्पना शर्मा, नायब तहसीलदार मुकेश धाकड, प्रदीप केन, जनपद सीईओ अजय वर्मा, जिला प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष एलएन त्यागी, महासचिव विद्याराम प्रजापति, रूपेश सिकरवार, नागेश शर्मा, राजेन्द्र शुक्ला, कमलकांत शुक्ला, मनोज पाराशर, योगेन्द्र सिक. रवार, आयुष विभाग सहित समाजसेवी महेश प्रजापति सुरेन्द्र कुशवाह, केव्ही सविता, नीके राम त्यागी, गिर्राज त्यागी, सोनू गौर आदि उपस्थित थे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मोटिवेशनल स्पीकर में बनायें कैरियर

देश भर में अवसाद के बढ़ते मामलों को देखते हुए मोटिवेशनल स्पीकर के क्षेत्र में भी आप कैरियर बना सकते हैं। आजकल 22 से 25 साल के उम्र के लोग भी अवसाद के शिकार हो जाते है। जिस तरह अवसाद तेजी से बढ़ रहा है, उसी के साथ मोटिवेशनल स्पीकर की मांग भी बाजार में बढ़ती जा रही है। अगर आप अपनी बातों से लोगों को प्रेरित कर सकते हैं तो आप आपमें मोटिवेशनल स्पीकर बनने की क्षमता है।

कोरोना वायरस के कारण लगे लॉकडाउन के बाद से ही लोग घरों के अंदर बंद हैं जिससे अवसाद के मामले और बढ़ने की आशंका है। इसके अलावा कारोबार बंद होने से भी कई नौकरियां गयी हैं। ऐसे में अवसाद से पीड़ित लोगों की संख्या तेजी से बढ़ी है। ऐसे में मोटिवेशनल स्पीकर्स की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है।

मोटिवेशनल स्पीकर्स कुछ भी शुरू करने से पहले लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचते हैं। इसके बाद ही वे उन्हें प्रेरित करने की शुरुआत करते हैं।

इस क्षेत्र के लिए विषय का विस्तृत ज्ञान होना बहुत जरूरी है। इसके लिए फिलॉस्फी से लेकर लिटरेचर तक हर तरह की किताबें पढ़नी चाहिए। ताजा मामलों से भी अपने को अपडेट रखना चाहिए।

कोर्सेज

कुछ प्रबंधन स्कूलों में स्पीकिंग पावर पर काम करवाया जाता है। इसका अर्थ यह बिल्कुल नहीं है कि आप मोटिवेशनल स्पीकर बनने के लिए मैनेजमेंट कोर्स ही करें। इस करियर की जरूरत को ध्यान में रखते हुए मजबूत इच्छाशक्ति और सकारात्मक सोच बनाएं रखें।

कमाई

मोटिवेशनल स्पीकर की आमदनी कम से कम 40–50 हजार से शुरू होकर लाखों में होती है। यदि किसी स्पीकर की कोई किताब नाम कमा लेती है अथवा वह अपने दम पर कोई बड़ा काम कर जाता है तो इसकी मांग और बढ़ जाती है।

अवसर

आजकल बहुत सी कंपनियां, एजेंसियां, एनजीओ, मैनेजमेंट सहित अन्य दूसरे स्कूल–कॉलेज मोटिवेशनल स्पीकर को नियुक्त करने लगे हैं। इसके अलावा कुछ खास कार्यक्रमों में भी मोटिवेशनल स्पीकर्स को आंमत्रित किया जाता है।

इसके लिए आपको अच्छे–खासे होमवर्क की जरूरत पड़ती है।

प्रेरित करते हुए महान लोगों की बातों के उदाहरण के साथ प्रस्तुतीकरण से कही हुई बात को समझाना पड़ता है।

ये एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें आप लोगों से बात करके अच्छी कमाई कर सकते हैं।

यह एक संवेदनशील और चुनौतीपूर्ण करियर है।

इस क्षेत्र में आपकी सफलता या असफलता उन दर्शकों पर निर्भर करती है, जिसे आप प्रेरित कर रहे हैं। यदि आप लोगों में बातों से जोश भर देते हैं तो यकीन मानें आपको सफल होने से कोई नहीं रोक सकता।

प्रमुख संस्थान

फोर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट

बी–18, कुतुब इंडस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली

टाई हॉवर्ड मोटिवेशनल स्पीकर ट्रेनिंग स्कूल

स्टार्ट–अप से करें कमाई

अगर आप कारोबार करना चाहते हैं पर आपके पास बजट कम है तो आप स्टार्ट–अप से अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं। इसमें निवेश भी कम करना होगा और आप अच्छा पैसा भी कमा सकते हैं। अगर आप इन बिजनेस में क्रिएटिव और मेहनत से काम करेंगे तो आप जल्द ही हर महीना लाखों रुपये कमा सकते हैं।

इवेंट मैनेजमैंट – आजकल इवेंट का काम बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। खास बात ये है कि इसमें आपको किसी खास डिग्री की आवश्यकता नहीं है और आप क्रिएटिव तरीके से काम करके इसमें पैसा कमा सकते हैं। इवेंट में आप वेडिंग, ऑफिशियल प्रोग्राम, पार्टी आदि की अरेजमेंट कर सकते हैं और इसमें आपको निवेश नहीं करना होता, सिर्फ इवेंट

की व्यवस्था करनी होती है। आप अच्छे संपर्क बनाकर इसमें पैसे कमा सकते हैं।

ऑटो गैराज– आपको सुनकर भले ही ये अजीब लगे, लेकिन कई लोग इससे अच्छा पैसा कमा रहे हैं। यह गैराज किसी एक दुकान पर नहीं होगा, बल्कि यह डिमांड पर कहीं जाएगा। मतलब आजकल गाड़ियों की संख्या अधिक हो गई और बीच रास्ते में गाड़ी खराब हो जाने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। ऐसे में आप ऐसे लोगों की मदद कर पैसे कमा सकते हैं।

ड्राइविंग स्कूल – देश में कारों की बढ़ती संख्या को देखते हुए ड्राइविंग सीखने वालों की संख्या भी बड़ी है। ऐसे में ड्राइविंग स्कूल चलाना भी एक बेहतर विकल्प साबित हो सकता है। इस काम को करने के लिए शुरुआती तौर पर आपके पास सिर्फ एक कार होना जरूरी है। जिससे आप दूसरों को ड्राइविंग सिखा सकें।

होम बेस्ड फूड सर्विस– घर से बाहर दूसरे शहरों में रह रहे लोगों के लिए घर का खाना एक सपने जैसा होता है। इसलिए आप इन शहरों में टिफिन आदि का कारोबार करके आप कम इनवेस्ट में अधिक पैसे कमा सकते हैं। इसकी पब्लिसिटी के लिए आप सोशल मीडिया या किसी ऐप का सहारा ले सकते हैं।

क्लिनिंग सर्विस– इस क्लिनिंग सर्विस में आप कपड़ों से लेकर घर,गाड़ी आदि तक का काम कर सकते हैं क्योंकि लोगों के पास काम की व्यस्तता की वजह से यह सब काम करने का वक्त नहीं होता है। ऐसे में आप उनके लिए ऑनलाइन रुप से ये काम करके अच्छे पैसे कमा सकते हैं। विदेशों और मेट्रो सिटी में कई लोग इस तरह से कमाई कर रहे हैं।

ट्रांसलेटर– यह एक फ्रीलांस काम की तरह है। इस काम को आप किसी बिजनेस या नौकरी के साथ भी कर सकते हैं। आप यह भाषाओं के लिए कर सकते हैं। आजकल कई क्षेत्रीय भाषाओं के लिए भी कई लोगों की मांग है।

सोशल मीडिया कंसलटेंट– आज प्रचार करने का सबसे अच्छा साधन है सोशल मीडिया। हर कोई खुद के लिए या अपनी संस्था के लिए सोशल मीडिया का सहारा ले सकते हैं। ऐसे में आप सोशल मीडिया से संबंधित कोई कोर्स करके या इसके बारे में पढ़कर आप पैसे कमा सकते हैं। इसके लिए आपको कई लोगों के सोशल अकाउंट संभालने होंगे।

तेजी से बढ़ रहा कृषि क्षेत्र

अब कृषि क्षेत्र भी तेजी से आगे बढ़ रहा है और इसमें भी रोजगार की संभावनाएं बढ़ गयी हैं। इस क्षेत्र में नई तकनीक के इस्तेमाल के बाद वेतन भी तेजी से बढ़ा है। इसलिए अब यह भी पसंदीदा क्षेत्र बनकर उभरा है।

आधुनिकता के इस दौर में कृषि के प्रति युवाओं का ये लगाव किसी चमत्कार से कम नहीं है।

अगर आप भी कृषि अनुसंधान के क्षेत्र से जुड़कर कृषि वैज्ञानिक या फिर एक बेहतर किसान बनना चाहते हैं तो फिर इसके लिए आपको 12वीं की परीक्षा अच्छे अंकों से पास कर बीएससी एग्रीकल्चर या फिर बीएससी एग्रीकल्चर ऑनर्स की डिग्री हांसिल करनी होगी। यह डिग्री एग्रीकल्चर, वेटनेरी साइंस, एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग, फॉरेस्टरी, हा.ॅर्टीकल्चर, फूड साइंस और होम साइंस में से किसी भी एक विषय में ले सकते हैं। अपनी पढ़ाई पूरी करके आप सीधे खेती और इससे संबंधित गतिविधियों से जुड़कर कृषि क्षेत्र में देश के विकास में अपना अहम योगदान दे सकते हैं।

कृषि क्षेत्र में करियर की संभावनाएं

आज भी भारत की करीब 70 फीसदी जनसंख्या जीविका के लिए पूरी तरह से कृषि पर निर्भर है। ऐसे में कृषि क्षेत्र में पढ़े लिखे किसानों की सख्त जरूरत है।कृषि क्षेत्र में आप मार्केटिंग, एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग या मैनेजमेंट के क्षेत्र में अपना सुनहरा करियर बना सकते हैं।

इसके अलावा आप नेशनेलाइज्ड बैंकों में बतौर कृषि विस्तार अधिकारी, ग्रामीण विकास अधिकारी, फील्ड ऑफिसर बनकर अपना शानदार करियर बना सकते हैं।इसके साथ ही राज्यों के विभिन्न कृषि विभागों में आपके लिए रोजगार की अपार संभावनाएं मौजूद हैं।

कृषि महाविद्यालयों में एडमिशन पाने के लिए युवाओं के बीच मची होड़ से इस बात का अंदाजा लगाया जा सकता है कि इन युवाओं के सिर पर कृषि क्षेत्र में करियर का जुनून किस कदर सवार है।

इन संस्थानों से हांसिल कर सकते हैं डिग्री

अगर आप भी कृषि क्षेत्र में करियर तलाश रहे हैं तो इसके लिए बेहतरीन संस्थानों के बारे में जानकारी भी हासिल कर लें।

आप हैदराबाद, पुणे, ग्वालियर, इंदौर और पालमपुर स्थित कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर से कृषि के क्षेत्र में प्रशिक्षण ले सकते हैं।

कोलकाता और भुवनेश्वर के यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर से भी आप डिग्री हांसिल कर सकते हैं।

उदयपुर के राजस्थान एग्रीकल्चर युनिवर्सिटी में कृषि के क्षेत्र में प्रशिक्षण के साथ डिग्री भी पा सकते हैं।

इलाहाबाद स्थित इलाहाबाद एग्रीकल्चर इंस्टीट्यूट से प्रशिक्षण लेकर आप कृषि क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं।

अलीगढ़ विश्वविद्यालय के सेंटर ऑफ एग्रीकल्चर में दाखिला लेकर आप कृषि क्षेत्र की बारीकियों को समझ सकते हैं।

आईटी क्षेत्र में हैं कई संभावनाएं

कोरोना महामारी के कारण हुए लॉकडाउन के दौरान एक बार फिर आई टी की ताकत सामने आई है। आईटी के जरिये घर बैठे ही कई जरुरी काम हुए हैं। वहीं आईटी कंपनियों ने वर्क फ्रॉम होम (घर से कामकाज) का तरीका अपनाया है। जिससे भी इस क्षेत्र के प्रति युवाओं का रुझान और बढ़ने की संभावना है। इंफॉर्मेशन टेक्नॉलोजी ऐसा डिपार्टमेंट है, जहां कम्प्यूटर की जानकारी रखने वालों की हमेशा जरूरत रहती है। आई कंपनियों में दक्ष लोगों की मांग लगातार बढ़ रही है। आई टी में करियर बनाने के लिए कई रास्ते हैं। इनमें तीन इंजीनियरिंग के प्रमुख कोर्स है। जिसमें कम्प्यूटर साइंस, इलेक्ट्रानिक्स व कम्यूनिकेशन है। इसके आलावा सॉफ्टवेयर इलेक्ट्रॉनिक्स आदि की जानकारी शामिल है।

अगर आप इंजीनियरिंग नहीं करते हैं, तो आप बीएससी आईटी और बीएससी कम्प्यूटर साइंस् भी कर सकते हैं। 12वीं कक्षा में पीसीएम विषय वाले कम्प्यूटर एप्लीकेशन कोर्स कर सकते हैं। 12वीं में गणित बिषय वाले बीएससी कम्पयूटर साइंस कोर्स कर सकते हैं। इसके अलावा मोबाइल एप्लीकेशन विकास में

अगर आपकी रूचि कप्यूंटर साइंस में है और आईटी सेक्टर में करियर बनाना चाहते हैं तो पहले इस क्षेत्र की कुछ बातों को जान लेना आपके लिए जरुरी रहेगा। इंफॉर्मेशन टे.क्नॉलोजी आईटी इंजीनियर के लिए फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथ्स विषयों का होना जरूरी प्रोग्रामिंग में भी काफी संभावनाएं हैं।

आईटी के अंतर्गत आने वाले बीटैक आईटी में आपको सिखाया जाता है कि बिजनेस को तैयार करने के लिए कैसे काम किया जाता है। इसकी सारी जानकरी दी जाती है। जिसमें डेटाबेस, बिजनेस, भी काफी रोजगार हैं। कई गैजेट्स वीडियो, मूवी प्लेयर और गेमिंग डिवाइस के रूप में आज मार्केट में आ रहे हैं। आईटी क्षेत्र फील्ड दिन–प्रतिदिन काफी तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में यहां छात्रों के लिए काफी अवसर हैं।

डेटा साइंटिस्ट के क्षेत्र में हैं अच्छे अवसर

तकनीक के इस युग में नये क्षेत्र आते जा रहे हैं जिनमें काफी अच्छा वेतन है। जिस प्रकार तकनीक के माध्यम से दुनिया सिमट रही है उससे डेटा सबसे अहम हो गया है। ऐसे में डेटा साइंटिस्ट की मांग बढ़ती जा रही है। डेटा साइंटिस्ट डेटा को व्यवस्थित करने में अहम योगदान देंते हैं। बैंकों से लेकर ई–कॉमर्स फर्मों के यहां तक कि दवा उद्योग और कई दूसरे उद्योगों में कारोबार को गति प्रदान करने के लिए हर दिन डेटा का उपयोग किया जा रहा है। ऐसे में इस क्षेत्र में प्रफेशनल्स की बढ़ती डिमांड कोई आश्चर्य का विषय नहीं है। इसलिए कहा जा सकता है कि आज के दौर में डेटा साइंटिस्ट एक आकर्षक करियर विकल्प के रूप में उभरा है।

आपको बताते चलें कि देश में भले ही तमाम सेक्टर्स में नौकरियों की कमी दिखती हो, लेकिन डेटा साइंस प्रफेशनल्स की मांग में 400 फीसदी का इजाफा हुआ है। यही नहीं, टैलेंट सप्लाई इंडेक्स से भी इसी तरह के संकेत मिल रहे हैं। कमाई के मामले में करियर का यह विकल्प सीए और इंजीनियर्स को भी पीछे छोड़ता दिख रहा है।

साधारण तरीके से समझें, तो डेटा सा.इंडिस्ट मुख्य रूप से डेटा से खेलते हैं। डेटा में अपनी गहरी समझ के साथ ही कंपनियों को बिजनस में आगे बढ़ने में सहायता प्रदान करते हैं। इस दौरान वे डेटा को मैनेज करने के लिए गणित, सांख्यिकी और प्रोग्रामिंग के जरिए अपनी कुशलता का परिचय देते हैं। एक डेटा साइंटिस्ट से यह उम्मीद की जाती है कि वह कंपनी में रहते हुए बिजनस के हर एक पहलुओं को अच्छी तरह से समझे और आवश्यक डेटा के माध्यम से कंपनी को चीजों को समझने में सहायता प्रदान करे। इसलिए अपने जॉब प्रोफाइल के अंतर्गत वह कंपनी को डेटा के जरिए चीजों को समझने के लिए विकल्प प्रदान करता है। वह कंपनी में डेटा साइंटिस्ट की जिम्मेदारी निभाते हुए कई भूमिकाओं में दिखता है। आईटी क्रांति के बाद बिजनस सेक्टर में डेटा की मांग बहुत बढ़ गई है। हर कोई बिजनस को मजबूत आधार प्रदान करना चाहता है। सोशल मीडिया के दौर में कस्टमर तक अपनी पैठ को मजबूत करने के मकसद से डेटा साइंटिस्ट की मदद ली जाती है। इसमें मिलती सफलता ने इनकी डिमांड के ग्राफ को मजबूती प्रदान किया है।

बनें मैथ्स में माहिर

इसे करियर का एक शानदर विकल्प बनाने के लिए जरूरी है कि आप मैथ्स के माहिर

बनें। जब आप डेटा के साथ जीचों को समझने की ओर कदम बढ़ाते हैं, तो मैथ की जरूरत होती है। एक डेटा साइंटिस्ट को इसके अलावा टेक्निकल और मशीनों के बारे में भी जानकारी रखनी होती है। इसलिए मैथ्स के साथ–साथ कंप्यूटर साइंस, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, अप्लाइड साइंस, मकेनिकल इंजीनियरिंग के बारे में भी गहरी समझ को विकसित करें।

रणनीति में गहरी समझ

एक डेटा साइंटिस्ट को डेटा के साथ ही बिजनेस की गहरी समझ होनी चाहिए। उसे इस आधार पर डेटा उपलब्ध कराना होता है। इसलिए इसके साथ एमबीए की डिग्री वाले लोगों को अहमियत मिलने लगी है।

शानदार जॉब प्रफाइल और सैलरी

डेटा साइंटिस्ट की बढ़ती डिमांड के पीछे इनकी सैलरी स्ट्रक्चर को भी अहम माना जा रहा है। यहां पर आप सालाना 80 लाख तक कमा सकते हैं। आपको विभिन्न कंपनियों में अडवांस्ड एनालिटिक्स और ऑप्टिमाइजेशन कंसल्टेंट, डेटा एनालिटिक्स और डेटा मैनेजर या साइंटिस्ट के तौर पर अपनी कुशलता को दिखाने का अवसर मिल सकता है। इसकी स्टडी के लिए आप इंडियन स्टैटिस्टिकल इंस्टीटयूट, कोलकाता, इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ मैनेजमेंट, बेंगलुरु, इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मुंबई, इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ टेक्नॉलजी, खड़गपुर, इंटरनैशनल स्कूल ऑफ बिजनेस, हैदराबाद की ओर रुख कर सकते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रसंगतः सुख तो सेवा से

प्रेम शब्द से सभी परिचित हैं। प्रेम का एक अर्थ शरणागति भी होता है। व्यक्ति जिससे प्रेम करता है उसी के भले-बुरे की चिंता भी करता है। एक मां को हमेशा अपने पुत्र के भले-बुरे की चिंता सताती है क्योंकि वह उससे प्रेम करती है। इस प्रेम में इतनी शक्ति होती है कि वह उस व्यक्ति से, जिसकी सेवा की जा रही है, कोई भी कार्य करवा सकता है। जब एक दुनियावी मां अपने बच्चे के प्रेम में वशीभूत होकर उसके लिए कुछ भी करने के लिए तैयार रहती है, तो क्या भगवान जिसमें करोड़ों माताओं का वात्सल्य भरा हुआ है, प्रेम के वशीभूत होकर हमारे कार्य सुलभ नहीं कर सकते? सर्वशक्तिमान तो असंभव को संभव कर सकते हैं, उनके लिए कुछ भी करना क्या मुश्किल है? बस हमें ही उनसे प्रेम करना होगा। हमें ही उनके शरणागत होना होगा। देखो ना, दुनियावी जगत में हम अपने कुटुंब, अपने व्यापार, अपनी सेहत, इत्यादि का निरंतर चिंतन करते हैं क्योंकि हम इनसे प्रेम करते हैं। और तो और, हम उन्हीं के लिए जीते भी हैं। अर्थात् हम उनके शरणागत हैं। परिवार खुश तो हम भी खुश। व्यापार ठीक, तो हम भी ठीक, इत्यादि। उनकी प्रसन्नता से ही हमारी प्रसन्नता होती है। इसका क्या अर्थ है? इसका अर्थ है कि भले ही कहने को हम अपने परिवार या व्यापार के स्वामी हैं, लेकिन ध्यान देने पर हम पाएंगे कि हम तो उनके दास हैं। जबकि शास्त्रानुसार मनुष्य का वास्तविक स्वरूप है- 'कृष्ण दास'। इस बात को एक प्रसंग से समझा जा सकता है। एक बार परमपूज्यपाद श्रीमद् भक्ति बल्लभ तीर्थ गोस्वामी महाराज विदेश यात्रा पर गए। वहां एक कार्यक्रम के अंत में प्रश्न-उत्तर के लिए कुछ समय रखा गया। उस समय एक विदेशी सज्जन ने प्रश्न किया, 'महाराज जी, जैसा कि आपने कहा कि मनुष्य भगवान की शक्ति का अंश है, अर्थात् उनका दास है। क्या यह मान लेने से हमारे सब दुख चले जाएंगे? मैं मानता हूं कि मैं श्रीकृष्ण का दास हूं, परंतु मैं अभी भी दुखी हूं। मुझे कोई सुख नहीं है। मैं अक्सर परेशानियों से घिरा रहता हूं।' महाराज जी ने कहा कि आप जानते हैं कि आप भगवान के दास हैं, परंतु यह बात आप दिल से मानते नहीं हैं। उस व्यक्ति ने कहा, 'यह कैसे संभव है?' महाराज जी ने उन्हें उत्तर देने से पहले उसकी दिनचर्या पूछी। उसकी दिनचर्या सुनकर महाराज जी ने कहा, 'आप तो श्रीकृष्ण के दास हैं परंतु आप दासत्व तो संसार का ही कर रहे हैं। मुंह से भले ही आप खुद को को श्रीकृष्ण दास कहते हैं, परंतु व्यवहार से आप संसार के दास हैं क्योंकि आप अपना सारा समय व सारी शक्ति संसार के कार्य और वस्तुओं को पाने में ही व्यय कर रहे हैं।' 'यदि आप मानते कि आप श्रीकृष्ण के दास हैं तो आपकी दिनचर्या भगवान की सेवा अर्थात उनको प्रसन्न करने मात्र के लिए होती। कोई नौकर अगर अपने मालिक की सेवा न कर किसी अन्य की सेवा करेगा तो क्या उसका मालिक खुश होगा? मालिक क्या ऐसे नौकर को अपनी नौकरी पर रखेगा?' स्पष्ट है कि जब लोग उन सांसारिक कार्यों और ऐसे लोगों की सेवा में व्यस्त हैं जो दुख का कारण हैं या स्वयं दुखी हैं, तो वे आपको सुखी कैसे कर सकते हैं? स्थायी सुख तो भगवान की सेवा करने से ही मिलेगा क्योंकि वे ही सच्चिदानंद स्वरूप हैं। आनंद के स्त्रोत की सेवा करने से ही आनंद होगा। भगवान श्रीकृष्ण ने श्रीमद् भगवदगीता में कहा है कि यह जगत दुखालय है। दुखालय का अर्थ होता है, दुखों का घर। जब सृष्टिकर्ता ही कह रहा है कि उसकी रचना का संसार दुखों से भरा है तो फिर हमें यहां सुख कैसे मिल सकता है? इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि हम अपने स्वरूप को पहचानें और भगवान के शरणागत होकर, जन्म-मृत्यु के इस सागर से पार चले जाएं।

अपने शहर या मोहल्ले की घटना,
परेशानी या न्यूज़ यहाँ शेयर करें
9879141480
या
info@krantisamay.com

आपने आसपास की घटनाक्रम,
समाचार,प्रेसनोट देने के लिये
हमारे ईमेल krantisamay@gmail.com
या WhastApp 9879141480
पर भेज सकते हैं
ब्यूरो, रिपोटर
अपने क्षेत्र की
खबरें के लिये संपर्क करें.

लॉफिंग ज़ोन

पति पत्नी से -शादी के समय तुम्हारा फिगर कोक की बॉटल जैसा था।

पत्नी- डार्लिग वो तो अभी भी हूं। पहले 300 एमएल जैसा था अब 1.5 लीटर जैसा है।

□ □ □

संता- कल पडोसन मेरे सपने में आई थी।

पत्नी- अकेली आई होगी।

संता- तुम्हे कैसे पता।

पत्नी- उसका पति तो मेरे सपनों में आया था।

□ □ □

बीबी कब कैसी लगती है।
सगाई के पहले चंद्रमुखी,
शादी के बाद सूर्यमुखी,
10 साल बाद ज्वालामुखी,
20 साल बाद तु मुझसे में तुझसे दु:खी।

□ □ □

आज पत्नी से झगडा हो गया , मांगीलाल ने अपने मित्र से कहा ।

मित्र ने पूछा, तो घर जा रहे हो । हां, और कहां जाऊगा।

लो ये एक नोट हल्दी-चुना खरीदते हुए घर चले जाना, दोस्त ने हमददर्दी से कहा।

ऋषि कपूर के निधन से खेल जगत दुखी

सचिन, विराट, गांगुली सहित कई खिलाड़ियों ने जताया शोक

नई दिल्ली । दिग्गज अभिनेता ऋषि कपूर के निधन पर खेल जगत ने भी शोक जताया है। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली ने कहा, ष्भरोसा करना मुश्किल है कल इरफान खान और आज ऋषि कपूर। इनके परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं, दिवंगत आत्मा को शांति मिले।ष वहीं महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने कहा, ष्ऋषि जी के निधन की खबर सुनकर बहुत दुखी हूं। मैं उनकी फिल्में देखकर बड़ा हुआ हूं, जब भी मैं उनसे मिला हूं वो हमेशा उदार रहे हैं। उनकी आत्मा को शांति मिले।ष

वहीं बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने ऋषि कपूर और इरफान खान की तस्वीरों को शेयर करते हुए लिखा है कि, एक जिंदगी है। इसे पूरा और खुशी से जियो और किसी चीज से फर्क नहीं पड़ता। बस याद दिला रहा था। आप हमेशा याद आओगे। वहीं पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग भी ऋषि के निधन की खबर से बेहद दुखी हैं, उन्होंने लिखा है कि, ष्ऋषि कपूर जी के निधन के बारे में सुनकर दिल टूट गया है, उनके परिवार के प्रति गहरी संवेदना, ओम शांति।ष पूर्व कप्तान अनिल कुंबले ने भी ऋषि कपूर को याद करते हुए लिखा है, ष्ऋषि कपूर मेरे बचपन के हीरो थे, वो अब चले गए हैं। उनके परिवार और दोस्तों के प्रति गहरी संवेदनाएं।ष पूर्व बल्लेबाज वीवीएम लक्ष्मण ने कहा कि ऋषि के निधन की खबर सुनकर दुखी हूं। चेतेश्वर पुजारा ने कहा कि इस पर विश्वास करना मुश्किल है कि दो दिन में दो दिग्गजों को खो दिया।

ऋषि पिछले साल ही अमेरिका में कैंसर का उपचार कराने के बाद स्वदेश लौटे थे पर पिछले कुछ दिनों से बीमार होने के कारण मुंबई के एचएन रिलायंस अस्पताल में भर्ती थे।

राजकाज

बॉलीवुड को दोहरा सदमा

इरफान खान के बाद ऋषि कपूर भी दुनिया को अलविदा कह गए। ये दोनों ऐसे अदाकार थे, जिनकी दुनिया दीवानी थी। हर भूमिका को इन दोनों ने जीवंत किया। ये दोनों कलाकार सिर्फ अभिनेता नहीं थे, पूरा इंस्टीट्यूट थे। जिनको देखकर कोई भी अदाकारी सीख सकता था। मृत्यु पर किसी का वश नहीं है। मगर इस तरह से असमय जाना अखरने वाला है। ऋषि कपूर और इरफान को श्रद्धांजलि।

सैयद अकबरुद्दीन की विदाई

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र संघ में भारत के स्थाई प्रतिनिधि सैयद अकबरुद्दीन रिटायर हो गए। वह 2016 से इस पद पर थे। पिछले कुछ सालों में, अकबरुद्दीन भारतीय डिप्लोमेसी के सबसे जाने–पहचाने चेहरों में से एक रहे हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता के तौर पर उन्होंने ट्विटर पर डिप्लोमेसी को नई धार दी। आतंकी संगठन जैश–ए–मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर को यूएन की ओर से ग्लोबल आतंकी घोषित करवाने में अकबरुद्दीन ने अहम भूमिका निभाई। ग्लोबल मंच पर चीन की तरफ से कश्मीर मुद्दा उठाने की कोशिशों को भी अकबरुद्दीन ने फेल किया।

खतरे में उद्धव की कुर्सी

उद्धव ठाकरे का विधानमंडल का सदस्य ना होना ही उनकी सरकार के खतरा बन गया है। 28 मई तक अगर उद्धव ठाकरे विधानमंडल के सदस्य नहीं बनते हैं तो उन्हें सीएम पद से इस्तीफा देना पड़ेगा। अब उद्धव ठाकरे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी बात की है। उद्धव ने पीएम मोदी से अनुरोध किया है कि वे इस मामले में हस्तक्षेप करके इसे जल्द से जल्द हल कराने का प्रयास करें। अब देखना है कि पीएम इस मसले पर कितना गौर करते हैं।

सेना को खतरा

वैश्विक महामारी कोरोना वायरस से लडने के लिए भारत सरकार की ओर से लॉन्च किए गए आरोग्य सेतु एप के फर्जी संस्करण ने भारतीय सेना की चिंता बढ़ा दी है। सेना ने अपने जवानों को इस संबध में आगाह किया है। सेना ने एक परामर्श जारी कर कहा है कि यह फर्जी एप संवेदनशील जानकारियां चुरा सकता है। दरअसल, सुरक्षा एजेंसियों ने सैनिकों और अद्र्धसैनिक बलों को पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान में बनाए गए आरोग्य सेतु एप से मिलते–जुलते एप्लीकेशन के प्रति सचेत किया है।

विकास की नई उम्मीद

कोरोना संकट के इस दौर में सुकून देने वाली एक खबर यह है कि चीन छोड़कर भारत में मैन्युफैक्चरिंग इकाई लगाने की इच्छुक लगभग 1000 कंपनियों ने भारत सरकार से संपर्क साधा है। इनमें कम से कम 300 कंपनियां मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, मेडिकल डिवाइसेज, टेक्सटाइल्स और सिंथेटिक फैब्रिक्स के क्षेत्र में भारत में फैक्ट्रियां लगाने के लिए सरकार से सक्रिय संवाद में हैं। अगर बातचीत सफल होती है तो कोरोना संकट से तबाह दिख रही हमारी अर्थव्यवस्था में एक नई जान आएगी।

अमेरिका की मनमानी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कोरोना के संकट के बीच अमेरिका फस्र्ट का राग अलापा है और नए ग्रीन कार्ड जारी करने या वैध स्थायी निवास की अनुमति देने की प्रक्रिया पर अगले 60 दिन के लिए रोक लगा दी है और कह रहे हैं कि भारत उनकी मजबूरी समझेगा। बकौल ट्रंप, कोरोना वायरस के कारण अर्थव्यवस्था पर जो असर पड़ा है उसे ध्यान में रखते हुए यह कदम अमेरिकी श्रमिकों की नौकरियों की सुरक्षा के लिए उठाया गया है। यह भी कि नए आव्रजकों पर इस रोक से अहम चिकित्सा संसाधनों को अमेरिकी नागरिकों के लिए बचाकर रखने में मदद मिलेगी।

लॉकडाउन कब तक

कोरोना वायरस की वजह से पूरे देश में 14 अप्रैल तक लॉकडाउन है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आखिर कब तक लॉकडाउन चलेगा। सरकार की दुविधा भी बढ़ रही है कि वह इसे पूरी तरह समाप्त करे या और आगे बढ़ाए। अभी स्थिति यह है हर दिन के साथ कोरोना संक्रमितों की संख्या में पांच सौ या इससे ज्यादा की बढ़ोतरी हो रही है। लेकिन दूसरी तरफ लॉकडाउन के कारण सारी आर्थिक गतिविधियां ठप हैं, जिससे अंदर ही अंदर एक ऐसे संकट को मजबूती मिल रही है, जो आगे चलकर विस्फोटक रूप ले सकता है। इनके अलावा तीसरा फैक्टर यह है कि खुद विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी लॉकडाउन को कोरोना से लडने का पर्याप्त उपाय नहीं माना है।

छोटे स्तर के धंधे पूरी तरह चौपट

गरीब तबका किसी तरह जीवन यापन कर रहा है लेकिन वह कब तक इस तरह बैठा रहेगा? असंगठित और छोटे स्तर के धंधे पूरी तरह चौपट हो गए हैं। निर्माण कार्यो का चक्का एकदम रुका हुआ है। छोटे–मोटे खाने–पीने की दुकानें और तमाम तरह की सर्विसेज बंद हैं। फैक्ट्रियों के बंद होने से चिकित्सकीय सामग्री भी नहीं बन पा रही है। ऐसे में रास्ता यही बचता है कि चुनिंदा दायरों मे उत्पादन कार्य किसी तरह शुरू हो ताकि हम चिकित्सा उपकरण और खाद्य सामग्री बना सकें। इससे खाली बैठे श्रमिकों को काम मिलेगा, चिकित्साकर्मियों को जरूरी उपकरण मिल सकेंगे और लोगों की जांच का काम भी तेज होगा।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत का एक और इलाका रेड जोन घोषित, 32 हजार लोग होम कोरन्टाइन किए गए

सूरत । शहर के लिंबायत क्षेत्र में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना पॉजिटिव के 26 नए केस सामने आने के बाद इसे रेड जोन घोषित कर दिया गया है। साथ ही क्षेत्र के 32 हजार लोगों को होम कोरन्टाइन कर दिया गया है। लिंबायत जोन में भावनानगर, मारुतिनगर, रुस्तम पार्क, मधुनगर, मंगला पार्क, महाप्रभुनगर, पद्मावती सोसायटी, शिवाजीनगर, सुभाषनगर, अंबिका सोसायटी, मदनपुरा, शाहपुरा, खानपुरा, रामनगर, ईदगाह रोड, शास्त्री चौक, मदीना मस्जिद, बुद्ध सोसायटी, मयुर सिनेमा, सत्यम शिव सुंदरम एपार्टमेंट, छत्रपति शिवाजीनगर, राजीवनगर, सत्यम कॉम्प्लेक्स, जलारामनगर, संभाजी चौक, सां. ईनाथनगर, विनोबानगर, सांईबाबानगर, रूपनगर, रतनचौक, उधना रेलवे यार्ड झुग्गीबस्ती और जवाहनगर क्षेत्र को क्लस्टर घोषित किया गया है। जो नए 26 केस सामने आएं हैं, उसमें ज्यादातर मामले झुग्गी बस्ती के हैंद्य नए केस सामने आने के बाद लिंबायत और वराछा जोन के रिहाइशी इलाकों में सर्वे तेज कर दिया गया है। इसके अलावा झुग्गी बस्ती में सर्वेलन्स बढ़ा दिया गया है। स्लम एरिया में शुरू किए गए क्लीनिक की वजह से भी नए केस सामने आ रहे हैं। क्लीनिक में खांसी, शर्दी और बुखार के केस मिले हैंद्य सूरत महानगर पालिका ने कोरोना पॉजिटिव मरीजों के आधार पर शहर को रेड, ऑरेन्ज और ग्रीन जोन में विभाजित कर दिया गया है। साथ ही लिंबायत को रेड जोन घोषित कर 7169 घरों में रहने वाले 32 हजार से ज्यादा लोगों को कोरन्टाइन किया गया है। गौरतलब है कोरोना के मामले बढ़ते देख लॉकडाउन किया गया था। इस दौरान सूरत के जितने क्षेत्रों में कर्फ्यू भी लगा दिया गया था। इसके बावजूद सूरत में अब भी कोरोना के पॉजिटिव केसों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है।

249 नए केसों के साथ अहमदाबाद में कोरोना का आंकड़ा 3000 के पार

अहमदाबाद । गुजरात में खासकर अहमदाबाद में कोरोना पॉजिटिव केसों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही हैद्य पिछले 24 घंटों के दौरान गुजरात में कोरोना के 313 केस सामने आए हैं, जिसमें 249 केस केवल अहमदाबाद के हैं। 24 घंटों में अहमदाबाद में 12 समेत राज्य में 12 लोगों की कोरोना से मौत हो गई। जबकि 86 लोगों के ठीक होने के बाद अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है।

स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख सचिव डॉ. जयंति रवि ने बताया कि पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में कुल 313 केस दर्ज हुए हैं। जिसमें अहमदाबाद में 249, आणंद में 3, अरवल्ली में 1, भावनगर में 4, दाहोद में 1, गांधीनगर में 10, मेहसाणा में 3, सूरत में 13, वडोदरा में 19 और पंचमहल में 10 केस सामने आए हैंद्य इसी के साथ राज्य में कोरोना पॉजिटिव केसों की संख्या 4395 पर पहुंच गई है। जिसमें 3535 मरीजों की हालत स्थिर है और 33 मरीज वेन्टीलेटर पर हैंद्य राज्य में कोरोना से अब तक 613 लोग ठीक हुए हैं और 214 मरीजों की मौत हो चुकी हैद्य राज्य में अब तक कुल 64007 टेस्ट किए गए, जिसमें 59612 लोगों की रिपोर्ट नेगेटिव और 4395 की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। उन्होंने बताया कि पिछले 24 घंटों के दौरान अहमदाबाद में 12, सूरत में 3, वडोदरा और आणंद में एक–एक मरीज की कोरोना से मौत हो गई।

जबकि अहमदाबाद में 53 लोगों के ठीक होने के बाद अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया है। वहीं आणंद में 1, बनासकांठा में 3, भरुच में 4, कच्छ में 1, महीसागर में 5, मेहसाणा में 3, पंचमहल में 1, राजकोट में 1 और सूरत में 14 लोगों को डिस्चार्ज किया गया है।

राज्य में कुल 45089 लोग कोरन्टाइन हैं, जिसमें 41527 होम कोरन्टाइन, 3401 सरकारी कोरन्टाइन और 161 लोग प्राइवेट फैसिलिटी में कोरन्टाइन हैं। उन्होंने बताया कि 249 नए केसों के साथ अहमदाबाद में कोरोना पॉजिटिव केसों की संख्या 3026 पर पहुंच गई है।

वहीं वडोदरा में 289, सूरत में 614, राजकोट में 58, भावनगर में 47, आणंद में 74, भरुच में 31, गांधीनगर में 48, पाटन में 17, पंचमहल में 34, बनासकांठा में 28, नर्मदा में 12, छोटाउदेपुर में 13, कच्छ में 6, मेहसाणा में 11, बोटाद में 20, पोरबंदर में 3, दाहोद में 5, गिर सोमनाथ में 3, खेडा में 6, जामनगर में 1, मोरबी में 1, साबरकांठा में 3, अरवल्ली में 19, महीसागर में 11, तापी में 1, वलसाड में 5, नवसारी में 6, डांग में 2 और सुरेन्द्रनगर में कोरोना का अब तक 1 केस दर्ज हुआ है।

राज्य में कुल पॉजिटिव केसों की संख्या 4395 पर पहुंच गई है। 214 मरीजों की मौत हो चुकी है और 613 लोगों ठीक होने के बाद अस्पताल छुट्टी दे दी गई है।

19 नए केस के साथ वडोदरा में कोरोना का पोजिटिव आंकडा पहुंचा 304 पर

वडोदरा । आज कोरोना के नए 19 केस के साथ वडोदरा में कोरोना पोजिटिव का आंकडा 304 पर पहुंचा हैद्य जिले के पादरा तहसील के चोकारी गांव में एक युवक की मौत के साथ जिले में अब तक मौत का आंकडा 21 पर पहुंचा हैद्य

वडोदरा में कोरोना वायरस का कहर लगातार बढ रहा है। आज शहर में कोरोना वायरस के नए 19 केस दर्ज हुए है। शहर के नागरवाडा, रावपुरा, याकूतपुरा, हरणी–वारसिया, रींग रोड, पाणी गेट, वाघोडिया रोड, न्यायमंदिर और मोगलवाडा इलाकों में केस दर्ज हुए है। अब तक जिले में कोरोना वायरस के 304 केस दर्ज हुए हैद्य आज जिले के पादरा तहसील के चोकारी गांव में 35 वर्षीय ठाकोरभाई भीखाभाई गोहिल का कोरोना वायरस के चलते मौत हो गई। आज सुबह पाणीगेट इलाके में 45 वर्षीय सरवरभाई रजा मन्सुरी की मौत हो गई। एक ही दिन में कोरोना से दो लोगों की मौत हो गई। वडोदरा शहर व जिले में अब तक कोरोना वायरस से कुल 21 लोगों की मौत हो चुकी है। वडोदरा महानगरपालिका द्वारा जारी आंकडों के मुताबिक शहर में कोरोना वायरस के 19 कोरोना पोजिटिव केस दर्ज हुए है। अब तक वडोदरा में कोरोना वायरस के कुल 304 पोजिटिव केस दर्ज हुए है। पिछले 12 घंटों में कोरोना वायरस के 169 कोरोना टेस्ट में से 19 के रिपोर्ट पोजिटिव दर्ज हुए है जबकि 150 रिपोर्ट नेगेटिव दर्ज हुए है। शहर में अब तक 99 लोग स्वस्थ हो कर घर लौट चुके है।

अहमदाबाद जिले के सभी 464 गांव सैनिटाइज किए जाएंगे

अहमदाबाद गुजरात समेत देशभर में कोरोना ने हाहाकार मचा रखा है। हांलाकि देश के 80 जिले ऐसे हैं, जहां पिचले एक सप्ताह से कोरोना पॉजिटिव का एक भी केस दर्ज नहीं हुआ। इन जिलों में गुजरात के 7 जिले भी शामिल हैं। गुजरात में सबसे अधिक कोरोना ने अहमदाबाद में कहर बरपा रखा है। जिसे देखते हुए अहमदाबाद जिले के सभी 464 गांवों को सैनिटाइज किया जाएगाद्य अहमदाबाद में कोरोना केसों की संख्या ढाई हजार को पार कर गई है। 3 मई को लॉकडाउन का दूसरा चरण खत्म हो जाएगा और जल्द ही अहमदाबाद जिले के सभी 464 गांवों को सैनिटाइज किया जाएगा। अहमदाबाद डीडीओ के मार्ददर्शन में एक साथ सभी गांवों को 3 लाख लीटर से अधिक कीटनासक दवाई का उपयोग किया जाएगा।

बॉलीवुड के दिग्गजों को क्रांति समय की ओर से श्रद्धांजलि

दो दिन पहले भागा कोरोना मरीज का शव सिविल अस्पताल से परिसर से बरामद

सूरत । शहर में कोरोना के कहर के बीच सिविल अस्पताल प्रबंधन की गंभीर लाप. रवाही सामने आई है। दो दिन पहले अस्पताल से भागे कोरोना मरीज का शव बीते दिन अस्पताल से मिलने के बाद पोस्टमार्टम रूम में रख दिया गया। आज पता चला कि यह वही शख्स है जो कोरोना का मरीज था और मंगलवार को अस्पताल से भाग गया था। यदि कोरोना पॉजिटिव होने का पता नहीं चलता तो इसका पोस्टमार्टम भी कर दिया जाता।

मंगलवार की सुबह बजे भगवान राणा नामक कोरोना का मरीज सूरत के सिविल अस्पताल से भाग गया थाद्य इस घटना के बाद अस्पताल में हड़कम्प मच गया और पुलिस फरार मरीज की तलाश में जुट गई, लेकिन उसका कोई अता पता नहीं मिलाद्य इस बीच सिविल अस्पताल के पोस्टमार्टम रूम के निकट से भगवान राणा का शव बरामद हुआ। अस्पताल प्रबंधन को जब इसका पता चला तो उसने शव को पोस्टमार्टम के लिए पीएम रूम में रख दिया। आज डॉक्टर जब शव का पोस्टमार्टम करने के लिए पहुंचे तो बॉडी का टेम्परेचर ज्यादा होने की वजह से लाश की तस्वीर खींचकर कोरोना पॉजिटिव वार्ड में भेज दी। जहां से पता चला कि मृतक दो दिन पहले अस्पताल से फरार भगवान राणा है, जो कोरोना संक्रमित था। समय रहते यदि डॉक्टर को पता नहीं चलता तो शव को पोस्टमार्टम भी हो जाता और कई स्वास्थ्यकर्मी भी कोरोना से संक्रमित हो जाते। आमतौर पर कोरन्टाइन या आइसोलेशन वार्ड में दाखिल लोगों के हाथ में मुहर लगा दी जाती है, ताकि अन्य लोग उसे पहचान सकेंद्य लेकिन भगवान राणा के हाथ पर कोई सांकेतिक चिह्न नहीं होने की वजह से उसकी पहचान करना मुश्किल था

कोरोना कहर के बीच अहमदाबाद गर्मी का रेड अलर्ट, 45 पर पहुंचेगा तापमान

अहमदाबाद एक ओर कोरोना ने कहर बरपा रखा हैं, दूसरी ओर गर्मी भी कड़े तेवर दिखाने लगी हैद्य लॉकडाउन के चलते अपने घरों में बंद लोग अब गर्मी से परेशान होने लगे हैं। ऐसे में मौसम विभाग से परेशानी बढ़ाने वाली खबर आई है मौसम विभाग ने अहमदाबाद में रेड अलर्ट जारी किया है मौसम विभाग के मुताबिक आगामी दिनों में अहमदाबाद में तापमान 45 डिग्री पर पहुंच सकता है और दो–तीन दिनों तक गर्मी का प्रकोप यूं ही जारी रहेगा इस दौरान सामान्य तापमान से गर्मी का पारा 3 डिग्री तक बढ सकता है मौसम विभाग के मुताबिक अहमदाबाद के अलावा डीसा, वडोदरा, राजकोट और गांधीनगर में हिटवेव रहेगाद्य जिसे देखते हुए लोग पूरा ऐहतियात बरते

लॉकडाउन के बाद ग्रीन जोन में 20 यात्रियों के साथ रोडवेज बसें चलाने की तैयारी

अहमदाबाद । लॉकडाउन का दूसरा चरण पूर्ण होने के आडे तीन दिन शेष रह गए हैं और सरकार का आदेश मिलने पर राज्य परिवहन निगम ग्रीन जोन एरिया में अपनी सेवा शुरू करने की तैयारियों में जुट गया हैद्य सौराष्ट्र के जूनागढ़ जिले में कोरोना का एक भी केस दर्ज नहीं हुआ, जिसे देखते हुए 20 यात्रियों के साथ रोडवेज की बसें चलाने की योजना हैद्य लॉकडाउन के चलते पिछले 35 से ज्यादा दिनों से रोडवेज की बसें बंद हैं, लेकिन सभी बसों को मेन्टेन किया जा रहा है।

जूनागढ़ एसटी विभाग में वर्कशोप का स्टाफ अपने डिवीजन की 500 से ज्यादा बसों को मेन्टेन कर रहा है। लॉकडाउन खत्म होने के बाद सरकार का आदेश मिलता है तो 20 यात्रियों के साथ रोडवेज बसें चलाने की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। सोशल डिस्टंस मेन्टेन करने के लिए बस अड्डों पर डेढ़ मीटर की दूरी पर गोले बनाए जा रहे हैं। एक बस में 53 यात्रियों के बैठने की व्यवस्था हैं। लेकिन फिलहाल 20 यात्रियों के साथ ही बस चलाने की योजना है। प्रत्येक बस के ड्राइवर को मास्क, दस्ताने और सैनिटाइजर दिया जाएगा। बस में सवार होने से पहले सभी यात्रियों को सैनिटाइज दिया जाएगा।

कोरोना के लगातार बढ़ते केसों के चलते गांधीनगर के सभी प्रवेश द्वार बंद

गांधीनगर । गुजरात की राजधानी गांधीनगर में कोरोना के मामलों में लगातार वृद्धि को देखते हुए शहर में प्रवेश करने वाली सभी सड़कों को बंद कर दिया गया है। गांधीनगर के निवासियों को सबसे अधिक चिंता अहमदाबाद से आवागमन करने वाले लोगों को लेकर है। उनका मानना है कि अहमदाबाद से आवागमन करते लोगों की वजह से गांधीनगर में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं।

इसी वजह से गांधीनगर में प्रवेश करने वाली सभी सड़कों को बंद कर दिया गया है। आवाजाही के लिए केवल एक ''च'' मार्ग चालू रखा गया हैद्य हांलाकि इस सड़क से भी सीमित लोगों को प्रवेश दिया जा रहा है। जबकि गांधीनगर के मुख्य मार्ग ''घ'' को पूरी तरह बंद कर दिया गया हैद्य सरखेज से सीधे

मार्ग के जरिए कोई गांधीनगर में प्रवेश न करे, इसके लिए इस सड़क को बंद किया गया है । गांधीनगर में कोरोना केसों में लगातार वृद्धि को देखते हुए जिला पुलिस ने बीते दिन अहमदाबाद से जुड़ी सड़कों पर फ्लैग मार्च किया था

गांधीनगर के कुडासण, सरगासण और पीडीपीयू इत्यादि क्षेत्रों में पुलिस फ्लैग मार्च किया। साथ ही स्थानीय लोगों को घर में रहने की अपील कीद्य बता दें कि गुजरात में कोरोना के सबसे अधिक मामले अहमदाबाद में दर्ज हुए हैं

अहमदाबाद में अब तक कोरोना के 2777 पॉजिटिव केस दर्ज हो चुके हैं और 137 मरीजों की मौत हो चुकी हैद्य 263 लोगों के ठीक होने के बाद अस्पताल से डिस्चार्ज भी किया चुका है

अहमदाबाद में सबसे अधिक कोरोना के मामले दाणीलीमडा समेत पुराने अहमदाबाद में सामने आए हैं

दो साल से नाबालिग प्रेमी के साथ रह रही 14 वर्षीय किशोरी हुई गर्भवती

सूरत । बारडोली में 14 वर्षीय किशोरी और 17 वर्षीय युवक पिछले दो साल से साथ में रह रहे थे। इस दौरान दोनों के बीच नाजायज संबंध बने। किशोरी के गर्भवती होने पर इसका भांडा फूटाद्य स्थानीय पुलिस ने युवक के खिलाफ पोक्सो के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू की है। जानकारी के मुताबिक सूरत की मांडवी तहसील में रहनेवाली एक महिला ने पति की मौत के बाद बारडोली तहसील के एक गांव के शख्स से दूसरी शादी कर ली। पहले पति जन्मी 13 वर्षीय और 14 वर्षीय दो

पुत्रियों के साथ महिला ने दूसरे पति के साथ रहने लगी। इस दौरान महिला की बड़ी पुत्री 17 वर्षीय स्थानीय युवक से प्यार करने लगी। कुछ महीनों के बाद 14 साल की किशोरी अपने प्रेमी के साथ रहने चली गईद्य मां जब अपनी बेटी को लेने गई तो उसने साथ जाने से इंकार कर दिया और धमकी दी कि यदि वह जबरन ले जाने का प्रयास करेगी तो वह कुछ कर बैठेगीद्य बेटी के इंकार के बाद मां अपने घर लौट आई। जिसके बाद दो साल से दोनों पति–पत्नी के तौर रहने लगेद्य पिछले चार महीने से किशोरी के मासिक नहीं आने से दोनों सरकारी अस्पताल पहुंचे। जहां जांच में पता चला कि किशोरी गर्भवती हैद्य किशोरी की माता की शिकायत के आधार पर बारडोली पुलिस ने युवक के खिलाफ पोक्सो के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू की है।

सरकारी कर्मचारियों का वेतन का भुगतान मई के पहले सप्ताह में : नितिन पटेल

अहमदाबाद । गुजरात के वित्त एवं स्वास्थ्य मंत्री नितिन पटेल ने आज कहा कि कोरोना और लॉकडाउन के कारण उद्योग–धंधे बंद होने से राज्य को व्यापक आर्थिक नुकसान हुआ हैद्य राज्य की आय घटने के बावजूद सरकारी कर्मचारियों के वेतन का भुगतान मई महीने के पहले सप्ताह में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मौजूदा स्थिति के चलते जीएसटी की आय में कमी आई है और राज्य की आर्थिक परिस्थिति को संभालना मुश्किल हो रहा है। इसके बावजूद राज्य के 5.28 लाख कर्मचारियों के वेतन का भुगतान अप्रैल महीने का वेतन मई के पहले सप्ताह में कर दिया जाएगाद्य साथ ही 4.97 लाख पैन्शनरों को पैंशन का भी भुगतान किया जाएगा।

नितिन पटेल ने राज्य में कोरोना के खिलाफ जंग में डटे सरकारी कर्मचारियों का अभिनंदन कियाद्य उन्होंने कहा कि कोरोना के खिलाफ फ्रंटलाइन पर लड़ रहे सरकार के अधिकारी और कर्मचारियों का धन्यवाद करता हूं

15 मई तक अहमदाबाद में 15 हजार केस हो सकते हैं : विजय नेहरा

अहमदाबाद । अहमदाबाद महानगर पालिका आयुक्त विजय नेहरा ने आज कहा कि शहर में कोरोना केस का डबलिगंग रेट 9 दिन हुआ है और ऐसा ही रहा तो आगामी 15 मई तक शहर में 10 से 15 हजार केस हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास डबलिंग रेड 11 से 12 तक ले जाने का प्रयास है और इसके लिए शहर में कोरोना का संक्रमण रोकने के हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि शहर में अब 9 दिन में केस दोगुने हो रहे हैं। पहले एक्टिव केस का ग्रोथ 30 से 40 प्रतिशत था, जो अब 8 प्रतिशत हो गया है। यदि यही रेट बरकरार रहा तो इसे और भी कम करने में सफलता मिलेगीद्य 17 अप्रैल को 517 मरीज उपचाराधीन थे जो 20 अप्रैल यानी तीन दिनों में दोगुने होकर 1162 हो गए। लेकिन 20 अप्रैल के 1162 केस 29 अप्रैल को 2314 यानी 9 दिन में डबल हुएद्य यही रेट बरकरार रही तो 15 मई तक कोरोना केसों की संख्या 10 से 15 हजार के आसपास होगी।

फिलहाल 3 मई तक 11 या 12 दिन में डबलिंग करने का प्रयास जारी हैद्य विजय नेहरा ने कहा कि अहमदाबाद के एसवीपी अस्पताल में लिक्विड ऑक्सिजन टैंक की व्यवस्था की गई है। शहर के लोखंडवाला और एसएमएस अस्पताल में कोरोना की मरीजों का मुफ्त उपचार किया जाएगा। कोविड हेल्थ सेंटर के तौर पर इन अस्पतालों का संचालन किया जा रहा है। कोरोना वायरस की गंभीरता को देखते हुए रेड जोन में फिवर ट्रीटमेंट सेंटर बनाए जाएंग और महानगर पालिका ऐसे क्लीनिक सुविधा समेत स्टाफ भी मुहैया कराएगी

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)